PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 279 ● भिलाई, सोमवार 18 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे नेक्स्ट जेन सीजी डायल 112 का शुभारंभ

गृह मंत्री विजय शर्मा ने किया कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

रायपुर। प्रदेश में आपातकालीन सेवाओं को और अधिक आधुनिक, त्वरित एवं नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में नेक्स्ट जेन सीजी डायल 112 इंटीग्रेटेड इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस 2.0) का शुभारंभ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाएगा।

इस अवसर पर चलित फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी एवं 400 अत्याधुनिक डायल 112 वाहन का भी शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों के तहत प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियां समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। नेक्स्ट जेन सीजी डायल 112 प्रदेश में तकनीक आधारित सुशासन की दिशा में एक अभिनव पहल है, जिसके माध्यम से पुलिस सेवा, फायर सर्विस, मेडिकल इमरजेंसी सहायता, महिला हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन, आपदा प्रबंधन सहायता तथा हाईवे इमरजेंसी जैसी सेवाओं को एकीकृत मंच पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे नागरिकों को त्वरित एवं समन्वित सहायता सुनिश्चित हो रही है। इस उन्नत प्रणाली में केंद्रीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर, जीपीएस आधारित इमरजेंसी रिस्पॉन्स वाहन, जीआईएस आधारित रियल टाइम मॉनिटरिंग, ऑटोमेटिक कॉल लोकेशन पहचान प्रणाली तथा तकनीक सक्षम डिस्पैच प्रबंधन जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। नई व्यवस्था के माध्यम से अपराध नियंत्रण, महिला एवं बाल सुरक्षा, सड़क दुर्घटना प्रतिक्रिया, चिकित्सकीय सहायता तथा जन-संकट की परिस्थितियों में और अधिक प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी। प्रदेश में संचालित डायल 112 सेवा वर्ष 2018 से अब तक लाखों नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता प्रदान कर चुकी है तथा वर्तमान में इसकी सेवाएं 16 जिलों तक सीमित थी अब यह प्रदेश के सभी 33 जिलों तक विस्तारित हो जायेगी।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह चार राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ बस्तर प्रवास पर रहेंगे

जगदलपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार व मंगलवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर (जगदलपुर) दौरे पर रहेंगे। इस प्रवास के दौरान 19 मई को उनकी अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित होगी, जिसमें चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह जगदलपुर पहुंचेंगे और वहां से वायुसेना के विशेष हेलीकॉप्टर के माध्यम से नेतानार जाएंगे। नेतानार में वे सीआरपीएफ कैंप में स्थापित जन सुविधा केंद्र का उद्घाटन करेंगे तथा ग्रामीणों से संवाद भी करेंगे। वहीं मंगलवार को बस्तर के एक निजी होटल में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक आयोजित होगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल होंगे। बैठक में राज्यों के बीच आपसी समन्वय, नक्सल मोर्चे की वर्तमान स्थिति, आंतरिक सुरक्षा, प्रशासनिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। नक्सलवाद के लगभग पूर्ण उन्मूलन के बाद पहली बार बस्तर में इतने बड़े स्तर की बैठक आयोजित होने जा रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और विकास को लेकर नई उम्मीदें बढ़ गई हैं।

भारत और नीदरलैंड ने आपसी संबंधों को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रोब जेटेन के साथ आधिकारिक वार्ता में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर व्यापक चर्चा की। साझा मूल्यों और आपसी विश्वास के साथ-साथ दोनों देशों के बीच बढ़ते सामंजस्य और सहयोग को देखते हुए, नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया।

उन्होंने व्यापार और निवेश, रक्षा एवं सुरक्षा, उभरती और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, समुद्री क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए एक महत्वाकांक्षी सामरिक साझेदारी रोडमैप अपनाने पर भी सहमति व्यक्त की। बढ़ते व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और नवाचार साझेदारी पर ध्यान देते हुए, नेताओं ने कहा कि भारत की विकास गाथा द्वारा प्रस्तुत अवसर डच कंपनियों के लिए बेहतर व्यावसायिक संभावनाएं प्रदान करते हैं। दोनों नेताओं ने निरंतर उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। जल, कृषि और स्वास्थ्य में सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने बड़े पैमाने की जल परियोजनाओं पर सहयोग के माध्यम से 'जल पर रणनीतिक साझेदारी' को और अधिक सुदृढ़ करने पर करने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान, डिजिटल स्वास्थ्य, कृषि और खाद्य सुरक्षा सहित प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग का भी स्वागत किया। मोदी और जेटेन ने बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों के विस्तार को महत्वपूर्ण बताया। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते(भारत-ईयू एफटीए) की परिवर्तनकारी क्षमता को स्वीकार करते हुए, उन्होंने इस पर जल्द हस्ताक्षर करने और इसे लागू करने का आह्वान किया।

उन्होंने यह भी पुष्टि की कि महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भारत-नीदरलैंड सहयोग सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं को समर्थन प्रदान करेगा। दोनों नेताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) और सेमीकंडक्टर सहित उभरती प्रौद्योगिकियों में अधिक सहयोग का भी आह्वान किया। उन्होंने दोनों देशों के युवाओं की भागीदारी वाले शामिल हैकाथॉन आयोजित करने को भी प्रोत्साहित किया। नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताते हुए।

सुशासन तिहार में रायगढ़ पहुंचे मुख्यमंत्री साय ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु को किया सम्मानित

रायगढ़। सुशासन तिहार के अवसर पर रायगढ़ प्रवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टोरेट स्थित सृजन सभाकक्ष में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज दिव्यांशु देवांगन को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने दिव्यांशु को मेडल पहनाकर तथा पुरस्कार भेंट कर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। दिव्यांशु देवांगन ने मिस्र की राजधानी कायरो में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2026 में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इतना ही नहीं, उन्होंने विश्व रिकॉर्ड स्थापित कर रायगढ़, छत्तीसगढ़ और पूरे देश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है। मुख्यमंत्री ने दिव्यांशु की माता-पिता और दादी से भी मुलाकात की तथा दिव्यांशु की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी।

उन्होंने कहा कि दिव्यांशु की उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि दिव्यांशु ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से यह साबित कर दिया है कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी विश्व मंच पर देश का नाम रोशन कर सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को हर संभव प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी.चौधरी ने भी दिव्यांशु देवांगन को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर छत्तीसगढ़ का नाम देश और विदेश में ऊंचा किया है।

अनुच्छेद 123 के तहत संसद के सत्रावसान की अवधि में अधिकार

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए अध्यादेश जारी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने संबंधी अध्यादेश जारी कर दिया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस बारे में विधि एवं न्याय मंत्रालय के प्रस्ताव को पहले ही स्वीकृति प्रदान कर दी थी और इसके लिए उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या तय करने वाले कानून में संशोधन करने का निर्णय किया गया। राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत संसद के सत्रावसान की अवधि में अध्यादेश जारी करने का अधिकार है। सत्र शुरू होने पर अध्यादेश के स्थान पर सरकार को विधेयक लाना पड़ता है। फिलहाल अध्यादेश ही कानून के रूप में काम करेगा और अब चार और न्यायाधीशों की नियुक्ति की जा सकती है। अध्यादेश को गजट में 16 मई को अधिसूचित कर दिया गया है। विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अध्यादेश की जानकारी रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026 जारी करने की मंजूरी प्रदान कर दी है इससे उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 (मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) हो जायेगी। इस अध्यादेश के जरिए उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन किया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत पांच मई को उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। प्रस्ताव में कहा गया था कि इसके लिए उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन किया जायेगा।

बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द होगी शुरू : वैष्णव

नयी दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द शुरू होगी। उन्होंने वर्चुअल तरीके से बेंगलुरु और मुंबई के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वैष्णव ने ट्रेन संख्या 16553/54 सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) बेंगलुरु -लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के बाद इसे कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेलवे सम्पर्क को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि दक्षिण और उत्तरी कर्नाटक की लंबे समय से लंबित मांगें अब पूरी की जा रही हैं। इस कड़ी में बेंगलुरु और मुंबई के बीच वंदे भारत स्लीपर सेवा जल्द ही शुरू की जाएगी। इस दौरान उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास पर ज़ोर देते हुए बताया कि हाल के वर्षों में रेलवे के लिए मिलने वाली राशि में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है।

ग्रेट निकोबार परियोजना पर कांग्रेस ने जताई चिंता, रमेश ने राजनाथ को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने ग्रेट निकोबार परियोजना के मौजूदा स्वरूप पर राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुनर्विचार की आवश्यकता जताते हुए कहा है कि इससे पर्यावरणीय नुकसान तथा आदिवासी अधिकारों के उल्लंघन की आशंका है।

पार्टी का कहना है कि वह लगातार इस संबंध में सरकार को अवगत करा रही है, लेकिन उसकी चिंताओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम को पत्र लिखने के बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र भेजा है। उन्होंने कहा कि सरकार एक व्यावसायिक परियोजना को सुरक्षा जरूरतों के आधार पर उचित ठहराने की कोशिश कर रही है।

मॉस्को में यूक्रेनी ड्रोन हमला

एक भारतीय नागरिक की मौत, तीन अन्य घायल

मॉस्को। रूस के मॉस्को क्षेत्र में यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए एक बड़े ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है और तीन अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को इस दुखद घटना की आधिकारिक पुष्टि की। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, मॉस्को क्षेत्र में तड़के हुए एक ड्रोन हमले में एक भारतीय श्रमिक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया और अस्पताल जाकर घायल श्रमिकों से मुलाकात की है। दूतावास ने मृतक के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि पीड़ितों को हर संभव आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। राजनयिक इस मामले में स्थानीय रूसी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन ने युद्ध की शुरुआत के बाद से रूसी क्षेत्र पर अपने अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक को अंजाम दिया है। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात हुए इस समन्वित हमले में मॉस्को सहित कई अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उनकी वायु रक्षा प्रणालियों ने एक दर्जन से अधिक क्षेत्रों में 556 यूक्रेनी ड्रोनों को हवा में ही रोक दिया या मार गिराया। वहीं, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि पिछले 24 घंटों के भीतर मॉस्को और उसके आसपास के इलाकों को निशाना बनाकर आ रहे 120 से अधिक ड्रोनों को नष्ट कर दिया गया।

रूसी सरकारी मीडिया ने इस हमले को पिछले एक साल से अधिक समय में मॉस्को क्षेत्र पर हुआ सबसे बड़ा हमला बताया है।

रविवार सुबह मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर एंड्रे वोरोब्योव ने बताया कि राजधानी क्षेत्र पर यूक्रेनी ड्रोनों के हमले को नाकाम कर दिया गया है, लेकिन इसके मलबे से जान-माल का नुकसान हुआ है।

उन्होंने बताया कि खिमकी इलाके में एक घर पर ड्रोन गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि मायतिशची शहरी जिले में एक निर्माणाधीन मकान पर ड्रोन का मलबा गिरने से दो अन्य पुरुषों की जान चली गई। इसी क्षेत्र में भारतीय श्रमिक भी हताहत हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियां इलाके में राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

ईरान ने अमेरिका, इजरायल पर लगाया ऊर्जा बाजार में अस्थिरता पैदा करने का आरोप

तेहरान। ईरान ने अमेरिका और इजरायल पर वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजरायल तेहरान के खिलाफ एक अवैध 'अपनी पसंद के युद्ध' को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। बघाई ने अमेरिका की कड़ी आलोचना करते हुए उसके उन दावों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि ईरान पर उनका हमला वैश्विक ऊर्जा बाजारों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से है। उन्होंने कहा कि उनकी सैन्य कार्रवाइयों ने इसके बजाय कूटनीतिक प्रयासों को बाधित किया है और महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों को खतरे में डाल दिया है। बघाई ने कहा, अपने अवैध 'अपनी पसंद के युद्ध' को उचित ठहराने के लिए फैलाया जा रहा अगला बड़ा झूठ यह दावा है कि वे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में शांति और स्थिरता बनाए रख रहे हैं।

जनगणना 2027: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की 'सुशासन नीति' का असर छत्तीसगढ़ में 60 प्रतिशत से अधिक मकान सूचीकरण का कार्य पूरा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी राष्ट्रीय जनगणना 2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। राज्य के सभी जिलों और नगर निगमों में मकान सूचीकरण ब्लॉकों के गठन और सत्यापन का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में जारी आधिकारिक प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में अब तक कुल 60.73% कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस महाअभियान में डिजिटल टेक्नोलॉजी के सटीक समन्वय से कुल 48,742 ब्लॉकों में से 29,602 ब्लॉकों का कार्य पूर्ण हो चुका है। राज्य की इस प्रगति पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संतोष व्यक्त करते हुए गौरेला- पेंड्रा-मरवाही जिला प्रशासन और प्रदेश भर के प्रगणकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' और सुशासन के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। आगामी जनगणना 2027 के ये आंकड़े भविष्य में छत्तीसगढ़ के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं और नीति निर्धारण की मजबूत बुनियाद बनेंगे। डिजिटल तकनीकों का उपयोग कर समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना सराहनीय है। जिन बड़े शहरों या नगर निगमों में गति धीमी है, वहां के अधिकारी मैदानी मॉनिटरिंग बढ़ाएं और जल्द से जल्द इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को गति दें। राज्य स्तर पर जिलों के प्रदर्शन को देखा जाए तो आदिवासी बहुल गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला सूची में शीर्ष पर है, जिसने अपने सभी 528 मकान सूचीकरण ब्लॉकों का कार्य 100त पूरा कर लिया है।

CMYK

वट सावित्री पर्व पर सुहागन महिलाओं ने अपने पति के दीर्घायु के लिए रखा उपवास

बेमेतरा। पति की दीर्घायु की कामना को लेकर सुहागन महिलाओं ने वट सावित्री का व्रत रखे और वट वृक्ष की विधि पूर्वक परंपरा तरीके से पूजा अर्चना श्रद्धा एवं भक्ति के साथ किया गया। इस अवसर पर कई स्थानों पर आचार्य के द्वारा सती सावित्री कथा का वाचन किया गया। सुहागन महिलाओं ने विभिन्न रंगों से ओत-प्रोत परिधानो के साथ सिंगार करके नगर के विभिन्न तालाबों, गोठानो, देवालय में स्थित वट वृक्ष की पूजा के लिए जेठ माह की चिलचिलाती धूप में पहुंची। वहीं कुछ महिलाओं ने अपने घर अथवा आसपास के घरों के गमले में लगाएं गए वट वृक्ष की पूजा की गई। पूजा की शुरुआत वृक्ष में जल अर्पण करके किया गया। तदुपरांत वृक्ष में रोली अक्षत सिंदुर कुमकुम के साथ विभिन्न प्रकार के फूल चढ़ाए गए एवं शक्कर युक्त चना दाल के साथ कई तरह की फल चढ़ाया गया एवं लकड़ी अथवा प्लास्टिक का बना हुआ हाथ पंखा सुहाग के विभिन्न सामग्री के साथ वटवृक्ष को अर्पण किया गया। इसके बारे में सनातन धर्म में मान्यता

है कि वट वृक्ष की जड़ में ब्रह्मदेव तने पर भगवान विष्णु एवं पत्तों में भगवान महादेव का वास रहता है, इसलिए जेठ माह के कृष्ण पक्ष के अमावस्या के दिन सावित्री पर्व पर वट वृक्ष की पूजा करके अपने पति की दीर्घायु की मन्नत मांगते हुए उपवास रखा जाता है। पूजा के बाद धूप दीप अगरबत्ती के साथ आरती किया गया और कच्चे सूत के धागे को वृक्ष को बांधा गया। इस अवसर पर कई महिलाओं के द्वारा यथाशक्ति वृक्ष का फेरा भी लिया एवं आचार्यों के द्वारा अथवा वहां पर उपस्थित महिलाओं के द्वारा ही सती सावित्री की कथा का वाचन किया गया, जिसमें बताया जाता है कि सावित्री राजकुमारी थी जिनका अपाहिज पति सत्यवान की मृत्यु होने पर सावित्री ने यमराज जी से अपने पति का प्राण अपने भक्ति और शक्ति के आधार पर ले आए थे, इसलिए इस दिन से वट सावित्री का व्रत रखा जाता है।

वट सावित्री व्रत प्रेम, त्याग और एक पत्नी के अडिग संकल्प की विजय गाथा

धार्मिक मान्यताओं के बारे में जानकारी देते हुए पंडित श्रीनिवास द्विवेदी बताया कि वट सावित्री व्रत प्रेम, त्याग और एक पत्नी के अडिग संकल्प की विजय गाथा है। उन्होंने वट सावित्री व्रत की कथा विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार, मद्र देश के राजा अश्वपति ने संतान प्राप्ति के लिए अपनी पत्नी सहित देवी सावित्री की कठोर तपस्या और विधिपूर्वक पूजन किया, जिसके फलस्वरूप उन्हें पुत्री रत्न की प्राप्ति हुई। देवी के नाम पर ही उन्होंने पुत्री का नाम सावित्री रखा। सावित्री के विवाह योग्य होने पर राजा अश्वपति ने उन्हें स्वयं अपना वर चुनने के लिए मंत्रियों के साथ भ्रमण पर भेजा। वहां उन्होंने निर्वासित राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को अपने पति के रूप में चुना। जब सावित्री लौटकर आई, तो उसी समय देवर्षि नारद वहां उपस्थित हुए। नारदजी ने भविष्यवाणी की कि सत्यवान अल्पायु हैं और विवाह के ठीक एक वर्ष पश्चात उनकी मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा अश्वपति चिंतित हो गए और उन्होंने सावित्री को किसी अन्य वर को चुनने की सलाह दी, परंतु सावित्री अपने निर्णय पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा, पिताजी, कन्यादान एक ही बार होता है। अंततः उनका विवाह सत्यवान से हुआ। नारदजी से सत्यवान की मृत्यु का निश्चित समय जानकर सावित्री राजमहल त्यागकर अपने पति और दृष्टिहीन सास-ससुर की सेवा के लिए तपोवन (जंगल) में रहने लगीं। नारदजी द्वारा बताए गए समय के निकट आते ही सावित्री ने अत्यंत कठिन व्रत और तपस्या शुरू कर दी। जब नियत समय पर यमराज सत्यवान के प्राण लेने आए और उन्हें अपने साथ ले जाने लगे, तो सावित्री भी उनके पीछे-पीछे चलने लगीं। उनकी इस अटूट श्रद्धा और धर्म-निष्ठा को देखकर यमराज अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्हें वर मांगने को कहा। सावित्री ने विवेकपूर्वक एक-एक कर वरदान मांगे। पहले वरदान में सावित्री ने अपने नेत्रहीन सास-ससुर की आंखों की ज्योति और उनके दीर्घायु होने की कामना की। यमराज के मना करने के बावजूद पीछे आता देख, उन्होंने दूसरे वर में अपने ससुर का खोया हुआ राज्य और वैभव वापस मांग लिया। तीसरे वरदान में सावित्री ने बड़ी चतुराई और बुद्धिमानी से यम देव से 'सौ पुत्रों की माता' होने का वरदान मांगा। चूंकि वह एक पतिव्रता स्त्री थीं, इसलिए उनके इस वरदान को पूर्ण करने के लिए यमराज को विवश होकर सत्यवान के प्राण वापस करने पड़े। इस प्रकार सावित्री ने न केवल अपने पति को मृत्यु के मुख से सुरक्षित निकाला, बल्कि अपने विवेक और पतिव्रत धर्म के बल पर पूरे परिवार का उद्धार किया।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत, ईट पकाने नल में लगा रहा था टुल्लू पंप

डोंगरगांव। अंचल के ग्राम पहलवान चारभांटा में शनिवार सुबह करंट लगने की एक घटना में 35 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना सुबह लगभग 7:30 बजे की बताई गई है। दरअसल युवक ईट पकाने के लिए पानी की व्यवस्था करने टुल्लू पंप लगा रहा था। इसी दौरान करंट की चपेट में आने से मौत होने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक युवक फिरोज ओटी पिता रज्जु राम ओटी, 35 वर्ष, पहलवान चारभांटा, कुमरदा तहसील का निवासी है। परिजनों की माने तो फिरोज कुमार ईट पकाने के कार्य के लिए पानी की व्यवस्था करने नल में टुल्लू पंप लगा रहा था। इसी दौरान अचानक वह विद्युत करंट की चपेट में आ गया। करंट लगते ही वह मौके पर ही गंभीर रूप से झुलसकर अचेत हो गया। घटना के समय आसपास मौजूद परिजन सकते में आ गए। मृतक के पिता रज्जु राम ने अपने पुत्र को करंट की चपेट में देखते ही तत्काल अन्य लोगों की मदद से उसे निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। इधर घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

पिता के साये से वंचित बच्चे

ग्रामीणों के अनुसार मृतक युवक फिरोज ओटी विवाहित था। मृतक की पत्नी सहित उसके दो बच्चे हैं, जिनमें एक लड़का व एक लड़की शामिल हैं।

इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक युवक परिवार का भरण पोषण करता था।

संवेदनशील क्षेत्रों व अड्डेबाजी स्थलों पर सघन चेकिंग और लगातार पेट्रोलिंग जारी

बेमेतरा। अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा जिले में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला के नेतृत्व में बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा सतत विजिबल पुलिसिंग एवं संवेदनशील क्षेत्रों व अड्डेबाजी स्थलों पर लगातार पेट्रोलिंग और सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, सउनि जितेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक अवधेश सिंह, आरक्षक इंद्रजीत पांडेय, राजेन्द्र जायसवाल सहित पेट्रोलिंग टीम एवं अन्य पुलिस बल द्वारा थाना क्षेत्रों में पैदल पेट्रोलिंग की जा रही है। पुलिस टीम द्वारा होटल, ढाबों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक स्थलों एवं सुनसान क्षेत्रों में विशेष चेकिंग की जा रही है। इस दौरान जमावड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी/ अड्डेबाजी करने वालों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच की जा रही है। संदिग्ध वाहनों की डिक्की की तलाशी ली जा रही है तथा रात्रि में अनावश्यक रूप से घूमने वालों की पूछताछ की जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने, शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने, सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौक-चौराहों तथा चार पहिया वाहनों के भीतर बैठकर शराब पीने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा सके और जिले में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण कायम रखा जा सके।

समाधान महाविद्यालय में आयोजित निःशुल्क समर कैंप में डीआईजी साहू, छात्र-छात्राओं को सफलता के दिए मंत्र

प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं की जिज्ञासाओं का किया समाधान

बेमेतरा। समाधान महाविद्यालय परिसर में आयोजित निःशुल्क समर कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में उप पुलिस महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू शामिल हुए। इस अवसर पर उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। लक्ष्य छत्तीसगढ़ समर कैंप-2026 के दौरान उप पुलिस महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने छात्र-छात्राओं को करियर निर्माण एवं लक्ष्य प्राप्ति के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए प्रेरित किया। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने छात्र-छात्राओं से पढ़ाई-लिखाई एवं करियर से संबंधित विषयों पर चर्चा की तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन और समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के माध्यम से प्रत्येक लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लगन एवं मेहनत के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए महत्वपूर्ण परीक्षा तकनीकों एवं रणनीतियों की जानकारी दी, जिससे उन्हें अपनी तैयारी को और बेहतर बनाने में सहायता मिल सके।

उनके प्रेरणादायक संबोधन से छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास का संचार हुआ तथा वे अपने लक्ष्य की ओर और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डीआईजी रामकृष्ण साहू ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत एवं अनुशासन को जीवन की दिनचर्या का हिस्सा बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि करियर की शुरुआत समय रहते करने से सफलता की राह आसान हो जाती है। विद्यार्थियों को उन्होंने अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए स्वयं की प्रतिभा पहचानने तथा समय का सदुपयोग करने की सीख दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर लोधी क्षत्रिय एम्प्लाइज्ड एंड इंटेलैक्चुअल्स एसोसिएशन (लक्ष्य छत्तीसगढ़) के संगठन पदाधिकारी गण में लक्ष्य प्रदेश अध्यक्ष चैनदास जंघेल, उपाध्यक्ष कमलेश कुमार वर्मा, दुर्जनराम जंघेल, जिला इकाई बेमेतरा के अध्यक्ष डॉ.अवधेश पटेल, सह शिक्षा प्रभारी सावित्री जंघेल, प्रचार सचिव नंदकुमार जंघेल, सविता वर्मा, एवं जिला पदाधिकारी गण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से मीना की आय में हुई सात गुणा वृद्धि

महासमुंद। कहते हैं खेती में मेहनत के साथ यदि नई सोच और सही तकनीक जुड़ जाए, तो खेत भी सोना उगलने लगते हैं। जिले के पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत बरनाईदादर गांव की कृषक श्रीमती मीना पटेल ने इस कहावत को सच कर दिखाया है। पारंपरिक धान की खेती से आगे बढ़ते हुए उन्होंने आधुनिक उद्यानिकी खेती को अपनाया और ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से अभूतपूर्व सफलता हासिल की। मीना पटेल बताती हैं कि उनके पास कुल 4.13 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि है। पहले वे मुख्य रूप से धान की खेती करती थीं, जिससे उन्हें सीमित आय प्राप्त होती थी। तभी उद्यान विभाग के अधिकारियों की सलाह पर उन्होंने वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राफ्टेड बैगन एवं टमाटर प्रदर्शन योजना का लाभ लिया और एक एकड़ क्षेत्र में ग्राफ्टेड टमाटर की खेती शुरू की। खेती में आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग का उपयोग किया गया, जिससे पानी की बचत के साथ फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में भी वृद्धि हुई। विभाग द्वारा उन्हें 30 हजार रुपये का अनुदान प्रदान किया गया, जिससे उन्नत खेती को अपनाने में सहायता मिली। ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से श्रीमती मीना पटेल को बेहतर परिणाम प्राप्त हुए। जहां पहले धान की खेती से प्रति एकड़ लगभग 20 क्विंटल उत्पादन एवं सीमित लाभ प्राप्त होता था, वहीं अब ग्राफ्टेड टमाटर से लगभग 400 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त हो रहा है। टमाटर की बिक्री पिथौरा एवं ओडिशा की मंडियों में की गई, जिससे उन्हें बेहतर बाजार मूल्य मिला। श्रीमती मीना बताती है कि धान की खेती में लगभग 36 हजार 600 रुपये तक की आय होती थी, जबकि ग्राफ्टेड टमाटर की खेती से सभी लागत निकालने के बाद लगभग 2 लाख 80 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रकार उनकी आय में लगभग सात गुना वृद्धि हुई है। इस सफलता का सकारात्मक प्रभाव आसपास के किसानों पर भी पड़ा है। अब क्षेत्र के अन्य किसान भी उद्यानिकी फसलों एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

सुहागिन श्रद्धालु महिलाओं ने वट सावित्री का व्रत रखकर वटवृक्ष की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर प्रसाद वितरित किये

दल्लीराजहरा। दल्लीराजहरा में शनिवार, ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि को सुहागिन श्रद्धालु महिलाओं ने वट सावित्री का व्रत रखकर वटवृक्ष (बरगद) की श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना, कथा श्रवणकर, हवन, आरती पश्चात प्रसाद वितरित किये। इसी क्रम में बीएसपी सेंट्रल टाउनशिप दल्लीराजहरा के स्ट्रीट नंबर 10, वार्ड नंबर 22 के कला मंच के समीप स्थित वट वृक्ष की वट सावित्री का व्रत रखी हुई सुहागिन महिलाओं ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर मौसमी फल, फूल, मिष्ठान, सुहाग व श्रृंगार सामग्री अर्पित कर सती सावित्री व सत्यवान की पौराणिक कथा श्रवण किये तथा वट वृक्ष में कच्चा

धागा लपेटते हुए 12 फेरे लगाए तत्पश्चात पुनः वट वृक्ष के 108 फेरे लगाए।सावित्री व्रत के संबंध में वट वृक्ष की पूजा अर्चना करने पहुंची। ममता शर्मा ने बताया कि ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को सभी सनातनी सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु/ दीर्घायु के लिए तथा अखंड सौभाग्य के लिए वट सावित्री व्रत रखती है। शनिवार को ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि है और ज्येष्ठ मास अमावस्या को शनिदेव की जयंती होने के कारण उपस्थित सुहागिन महिलाओं ने समीप में स्थित पीपल वृक्ष की भी पूर्ण विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर 7 फेरे लगाए तथा सभी लोगों के परिवार में सदैव उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, शांति व प्रसन्नता बनी रहे। इस बात की मंगल कामना की तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किए। इस अवसर पर ममता शर्मा, सीमा राजोरिया, शशि सिंह राजपूत, मीनी राजपूत, लता कुलदीप, गुड़िया गुप्ता, लीना देवांगन, प्रमिला नायक सहित अन्य महिलाएं, बच्चे व परिवार जन उपस्थित रहे।

पलारी नगर पंचायत चुनाव का बिगुल : कांग्रेस ने उतारे प्रत्याशी, भाजपा ने अध्यक्ष पद पर बढ़ाया सस्पेंस

युवा कांग्रेस नेता यानेश साहू अध्यक्ष पद के उम्मीदवार घोषित

बालोद। जिले के 9वें निकाय एवं नवगठित नगर पंचायत पलारी में पहली बार होने जा रहे नगरीय निकाय चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। पंचायत से नगर पंचायत बने पलारी में चुनावी रण पूरी तरह सज चुका है। भाजपा-कांग्रेस ने अपने अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। हालांकि दोनों ही दलों ने कुछ महत्वपूर्ण सीटों पर सस्पेंस बरकरार रखते हुए राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। नगर पंचायत बनने के बाद पहली बार हो रहे इस चुनाव को स्थानीय राजनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। विकास, नई प्रशासनिक व्यवस्था, स्थानीय नेतृत्व और जातीय समीकरण इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाने वाले है।

मौत के मुहाने पर फिश केज: खरखरा हादसे ने खोली सिस्टम की पोल, बिना लाइफजैकेट गहरे पानी में उतारे जा रहे मजदूर, बुजुर्ग की मौत के बाद ठेकेदार पर एफआईआर की उठी मांग

बालोद जिले में संचालित फिश केजों में सुरक्षा मानकों की खुली अनदेखी, प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल

बालोद। जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र के खरखरा जलाशय में मछलियों को दाना डालने गए बुजुर्ग मजदूर सुखराम सलाम की डूबने से हुई मौत ने जिलेभर में संचालित फिश केज संचालन व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। हादसे के बाद अब मजदूरों की सुरक्षा, ठेकेदारों की लापरवाही और प्रशासनिक निगरानी को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने इस मामले में संबंधित ठेकेदार पर गैरइरादतन हत्या का अपराध दर्ज करने की मांग तेज कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सुखराम सलाम, उम्र लगभग 65 वर्ष, कांकेर जिले के अनूपपुर पारा निवासी थे और खरखरा जलाशय में मछली पालन कार्य से जुड़े मजदूर के रूप में काम कर रहे थे।

शुक्रवार को वे जलाशय के केज क्षेत्र में मछलियों को दाना डालने गए थे। इसी दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ा और वे गहरे पानी में जा गिरे। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वे पानी में लापता हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। घंटों तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद गोताखोरों ने शव को पानी से बाहर निकाला। जहां शनिवार को पोस्टमार्टम पश्चात उनका अंतिम संस्कार किया गया।घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

सुरक्षा नहीं, सिर्फ जोखिम में काम

घटना के बाद सामने आए तथ्यों ने फिश केज संचालन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के गहरे पानी में काम करने भेजा जाता है। अधिकांश मजदूरों को न तो लाइफ जैकेट दी जाती है और न ही आपातकालीन बचाव प्रशिक्षण। सूत्रों के अनुसार जिस समय हादसा हुआ, उस दौरान मृतक के पास कोई सुरक्षा जैकेट मौजूद नहीं थी। इतना ही नहीं, मौके पर तत्काल रेस्क्यू के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग मजदूर ने पानी में जाने को लेकर आशंका भी जताई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें कार्य करने भेज दिया गया।

बालोद जिले के कई जलाशयों में हालात एक जैसे

स्थानीय नागरिकों और मजदूर संगठनों का कहना है कि यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही लापरवाही का नतीजा है। बालोद जिले के विभिन्न जलाशयों में संचालित फिश केजों में सुरक्षा मानकों का पालन लगभग नाम मात्र का है। मजदूरों से बिना बीमा, बिना सुरक्षा प्रशिक्षण और बिना किसी मेडिकल सुविधा के जोखिम भरे हालात में काम कराया जा रहा है। आरोप है कि संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण नहीं किए जाने के कारण ठेकेदार मनमानी कर रहे हैं। मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस निगरानी व्यवस्था नजर नहीं आती। मृतक सुखराम सलाम का बीमा केज संचालक ने करवाया था या नही यह जांच का विषय है।

ठेकेदार और प्रबंधन पर कार्रवाई की मांग

घटना के बाद सामाजिक संगठनों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि सुरक्षा मानकों का पालन कराया गया होता तो एक मजदूर की जान बच सकती थी। मांग की जा रही है कि संबंधित ठेकेदार एवं प्रबंधन पर गैरइरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए, मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए, जिले के सभी फिश केजों की सुरक्षा ऑडिट कराई जाए, और बिना सुरक्षा मानकों के संचालित केजों पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

प्रशासन की भूमिका भी कटघरे में

इस पूरे मामले में प्रशासनिक निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय-समय पर फिश केज संचालन की जांच होती और सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाता, तो इतना बड़ा हादसा टाला जा सकता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है, लेकिन इस घटना ने जिले में मजदूर सुरक्षा और फिश केज संचालन व्यवस्था को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी है।

संक्षिप्त समाचार

जमीन कारोबारी से 3.32 करोड़ की ठगी, बाप-बेटे समेत तीन पर मामला दर्ज

रायपुर। शहर में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने जमीन कारोबारी से 3 करोड़ 32 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में बाप-बेटे समेत तीन लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। आरोपित घटना के बाद से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, विनोबा नगर निवासी जमीन कारोबारी विजय कुमार गुप्ता की पहचान वर्ष 2023 में जमीन के एक सौदे के दौरान तोरवा निवासी अशोक कुमार गिडवानी से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। इसी का फायदा उठाते हुए अशोक गिडवानी और उसके बेटे मोहित गिडवानी ने विजय गुप्ता और उनके मित्र रमेश कुमार अग्रवाल को अपने मनिहारी व्यवसाय में निवेश करने का प्रस्ताव दिया। आरोपितों ने निवेश पर भारी मुनाफा देने का लालच दिया और भरोसा दिलाया कि हर तीन महीने में लाभांश का भुगतान किया जाएगा। उनके झांसे में आकर विजय गुप्ता ने स्वयं, अपने परिजनों और मित्रों के माध्यम से किस्तों में कुल 3 करोड़ 32 लाख रुपये निवेश कर दिए। यह रकम आरटीजीएस और बैंक चेक के जरिए भावेश ट्रेडर्स और गणेश किचन नावेल्टी नाम की फर्मों के खातों में ट्रांसफर की गई थी। पीड़ित का आरोप है कि लंबे समय तक न तो मुनाफा मिला और न ही मूल रकम लौटाई गई। जब उन्होंने पैसे वापस मांगे, तो आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। मामले की शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइन पुलिस ने अशोक कुमार गिडवानी, उसके बेटे मोहित गिडवानी और भावेश ट्रेडर्स के संचालक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस संबंधित फर्मों के बैंक खातों और लेनदेन की जानकारी खंगाल रही है।

अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई, रेत और चूनापत्थर से भरे 3 हाईवा जब्त

रायपुर। जिले में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को रेत और चूनापत्थर से भरे तीन हाईवा वाहनों को जब्त किया। विशेष जांच अभियान के दौरान एक हाईवा में रेत, जबकि दो अन्य वाहनों में चूनापत्थर का अवैध परिवहन किया जा रहा था। प्रशासन ने तीनों मामलों में कुल 1 लाख 500 रुपये का अर्थदंड निर्धारित किया है। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज शाखा की टीम ने 12 मई को मारो और आसपास के क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया था। जांच के दौरान संबंधित वाहन चालक वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों हाईवा वाहनों को जब्त कर पुलिस चौकी मारो में खड़ा कराया। साथ ही वाहन संचालकों के खिलाफअवैध खनिज परिवहन का प्रकरण भी दर्ज किया गया है। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ खान और खनिज अधिनियम, 1957 की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज संपदा के संरक्षण और शासन के राजस्व की सुरक्षा के लिए आगे भी लगातार जांच अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मांगें पूरी नहीं होने पर रामकी कंपनी के सफाई कर्मचारी फिर हड़ताल पर

रायपुर। नगर निगम क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य करने वाली रामकी कंपनी के सफाई वाहनों के चालकों और कर्मचारियों ने एक बार फिर हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी पुरानी मांगें अब तक पूरी नहीं की गई हैं, साथ ही मासिक भुगतान में वृद्धि की मांग को लेकर भी वे लगातार आंदोलन कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले भी कर्मचारी दो दिन की हड़ताल पर गए थे। उस दौरान कंपनी प्रबंधन की ओर से कर्मचारियों को एक माह के भीतर मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन तय समय में समाधान नहीं होने के कारण कर्मचारियों ने दोबारा काम बंद कर दिया है। कर्मचारियों ने बताया कि वर्ष 2024 में इसी दौरान एक कचरा वाहन टीम के साथ मारपीट की घटना भी हुई थी, जिसके बाद से कर्मचारियों में सुरक्षा और कार्य परिस्थितियों को लेकर नाराजगी बनी हुई है।

सुनीता जायसवाल को मौके पर मिला राशन कार्ड, चेहरे पर लौटी मुस्कान

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित सुशासन तिहार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण का एक सशक्त मंच साबित हो रहा है। नगर पालिका भाटापारा के इतवारी राम यादव शासकीय विद्यालय में आयोजित शिविर में उस समय प्रशासन का मानवीय और संवेदनशील चेहरा सामने आया, जब राशन कार्ड की समस्या लेकर पहुंची स्थानीय निवासी सुनीता जायसवाल का कार्य मिनटों में पूरा हो गया। सुनीता जायसवाल लंबे समय से राशन कार्ड की समस्या से जूझ रही थीं। शिविर में उनके आवेदन पर अधिकारियों ने तत्काल संज्ञान लिया और पात्रता की जांच कर मौके पर ही नया राशन कार्ड बनाकर सौंपा।

सुदूर वनांचल के सुशासन तिहार शिविर में पहुंचे उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

वनांचल क्षेत्र का चंहुमुखी विकास हमारी प्राथमिकता-उपमुख्यमंत्री.....

■ महतारी वंदन से मिले 27-27 हजार, हर पंचायत में खुलेंगे अटल डिजिटल सुविधा केंद्र

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल एवं बैगा बाहुल्य क्षेत्र तरेगांव जंगल में आयोजित सुशासन तिहार के समाधान शिविर में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा शामिल हुए। उन्होंने शिविर में ग्रामीणों के साथ अपने सहज और चिर-परिचित अंदाज में सीधे संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद का माध्यम है। राज्य सरकार गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जनपद अध्यक्ष श्रीमती बालका राम किंकर वर्मा, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्री कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत श्री नंद श्रीवास, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रूपा राजकुमार धुर्वे, श्री लोकचंद साहू, श्री मनीराम साहू, कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि और विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि वनांचल क्षेत्रों का समुचित विकास और मूलभूत सुविधाओं की सहज पहुंच सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि 100 करोड़ रुपए की लागत वाली कुसुमघटा - बैजलपुर - राजानवांगांव समूह जल प्रदाय योजना से 66 गांवों तक पेयजल पहुंचाया जाएगा, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे बड़ौदाखुर्द, बड़ौदाकला, भलपहारी, अचानकपुर, गंडईकला, गंडईखुर्द, कुसुमघटा, बोइरकछारा, खरहट्टा, भरेली, खड़ोदाकला, कारेसरा, सारंगपुर कला, राम्हेपुर, लोहझरी, सुकवापारा, जैताटोला, खैरबनाखुर्द, घोंघा, दियाबार, छपरी, खुसीपार, मंडलाटोला, मुड़ियापारा, मरियाटोला, बैहरसरी, सिल्हाटी, प्रभाटोला, बुधवारा, रहंगी, चंडालपुर, हरिनछपरा, मिनमिनिया मैदान, मोतिमपुर, रघुपारा, बद्दो, खिरसाली, लाटा, बाघुटोला, राजानवागांव, तिलाईभाट, बिसनपुरा, भलुचुवा, भीरा, खरिया, मुड़घुसरी मैदान, खड़ोदाखुर्द, कांदापारा, कामाडबरी, सिंघारी, बैजलपुर, अंधरीकछार, सिल्ली, बोदा 03, लबदा, अमेरा, सोंनतरा, मगरवाड़ा, बोरिया, कनपा, सिरमी, खंडसरा, छांटा, मड़मड़ा, कबराटोला, महली ग्राम शामिल है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा क्षीरपानी मध्यम परियोजना के नहर विस्तार के लिए 50 करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। इस परियोजना से 19 गांवों के हजारों किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी।

अरूना के घर अब सूरज की रोशनी से रोशन,बिजली बिल की चिंता से मिली मुक्ति

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित करना और हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करना है। इस योजना का लाभ उठाकर कोई भी अपने घर में स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित कर सकता है। बढ़ती महंगाई के दौर में बिजली का भारी-भरकम बिल किसी भी मध्यमवर्गीय परिवार के लिए चिंता का विषय हो सकता है। लेकिन बलरामपुर जिले के राजपुर विकासखंड की श्रीमती अरूना कश्यप ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को अपनाकर अरूना न केवल अपना बिजली बिल शून्य करने की ओर बढ़ रही हैं, बल्कि वे क्षेत्र के अन्य परिवारों के लिए भी एक मिसाल बन गई हैं। अरूनाकश्यप साझा करती हैं कि बढ़ती जरूरतों के साथ हर महीने आने वाला भारी बिजली बिल उनके घरेलू बजट को बिगाड़ देता था। वे कहती हैं, पहले बिजली का खर्च लगातार बढ़ रहा था, जिससे घर का तालमेल बिठाना मुश्किल हो रहा था। लेकिन जब मुझे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना और उस पर मिलने वाली केंद्र व राज्य सरकार की सब्सिडी के बारे में पता चला, तो लगा कि यह हमारे लिए सबसे अच्छा समाधान है। अरूना ने विभागीय सहयोग से अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट लगवाया है। शुरुआत में उन्हें लगा था कि यह प्रक्रिया जटिल होगी, लेकिन शासन की सहायता और मार्गदर्शन से यह काम आसान हो गया। लगने के बाद बिजली बिल में भारी गिरावट आई है। अब घर के सभी जरूरी उपकरण बिना किसी तनाव के सौर ऊर्जा से चल रहे हैं। अरूना का मानना है कि सौर ऊर्जा न केवल पैसों की बचत है, बल्कि यह पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में भी एक बड़ा योगदान है। श्रीमती अरूना ने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आम परिवारों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने का सबसे सशक्त माध्यम है।

महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका को मिल रही नई दिशा

■ स्व-सहायता समूहों के जरिए आत्मनिर्भर बन रही ग्रामीण महिलाएं, मत्स्य पालन से बढ़ रही आय

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश में आयोजित सुशासन तिहार 2026 अब केवल जनसमस्याओं के निराकरण का मंच नहीं रह गया है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे गांवों तक पहुंचने से महिला स्व-सहायता समूहों को रोजगार और आजीविका के नए अवसर मिल रहे हैं। इसी कड़ी में सूरजपुर जिले के ग्राम पर्री की महिलाओं ने सामूहिक प्रयासों से स्वरोजगार की मिसाल प्रस्तुत की है। विकासखंड सूरजपुर के ग्राम पर्री में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान माँ अम्बे महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य श्रीमती मिथलेश्वरी सिंह को मत्स्याखेट हेतु जाल प्रदान किया गया। यह सहायता समूह द्वारा संचालित मत्स्य पालन गतिविधियों को और अधिक मजबूत करेगी तथा ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि का आधार बनेगी। उल्लेखनीय है कि समूह की महिलाओं ने ग्राम के शासकीय तालाब को 10 वर्षों की लीज पर लेकर संगठित रूप से मछली पालन का कार्य शुरू किया है। शासन की योजनाओं और विभागीय सहयोग से महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मत्स्य पालन जैसे व्यवसाय से जुड़कर वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी रोजगार और आत्मविश्वास की नई प्रेरणा दे रही हैं।

स्व-सहायता समूहों के जरिए आत्मनिर्भर बन रही ग्रामीण महिलाएं, मत्स्य पालन से

खौना शिविर में 186 आवेदनों का मौके पर निराकरण

सुशासन तिहार बना जनसमस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच

■ सभी आवेदनों का अधिकारी एक महीने में गुणवत्तापूर्ण तरीके से करें निराकरण

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप आयोजित 'सुशासन तिहार 2026' आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील निराकरण का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड अंतर्गत खौना ग्राम पंचायत में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एक ही स्थान पर उपस्थित रहकर लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान कर रहे हैं।शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में धरसीवां विधायक अनुज शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह उपस्थित रहें। विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि सभी विभाग आपके गांव में आए हैं जिससे आप लोगों को भड़काने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी आपको किसी कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है सभी एक स्थान पर उपलब्ध है आप सभी अपना राजस्व से संबंधित या स्वास्थ्य विभाग का जांच हो सभी चीज आसानी से करवा सकते हैं। पात्र हितग्राहियों को ही योजनाओं का लाभ मिलेगा। धरसीवां विधानसभा क्षेत्र में पिछले दो सालों में हमारी सरकार 400 करोड़ से अधिक का विकासकार्य हुआ है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 से उपभोक्त ाओं को बड़ी राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आम उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 शुरू की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पुराने एवं भारी बिजली बिलों से परेशान उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करना है। योजना के तहत बकाया बिजली बिलों पर लगने वाले सरचार्ज को पूरी तरह माफ किया जा रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं को शेष राशि एकमुश्त अथवा आसान किस्तों में जमा करने की सुविधा भी दी जा रही है। योजना के प्रमुख प्रावधानों के अनुसार कुछ पात्र श्रेणियों को मूल बकाया राशि पर भी विशेष छूट का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ पहुंचाकर बिजली बिल संबंधी समस्याओं से राहत दिलाना है। यह योजना 1 जनवरी 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक प्रभावशील रहेगी। शासन के अनुसार इस पहल से राज्य के 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को 757 करोड़ रुपए से ज्यादा की राहत मिली है। योजना का लाभ मुख्य रूप से बीपीएल परिवारों, सामान्य घरेलू उपभोक्ताओं तथा कृषि उपभोक्ताओं को दिया जाएगा।

ससुराल में रहने के ताने से भड़का जीजा, चापड़ मारकर साले की हत्या

रायपुर। संवाददाता

रायपुर के उरला इलाके में घरेलू तानों और रोज-रोज के अपमान ने ऐसा खूनी मोड़ लिया कि जीजा ने अपने ही साले को चापड़ से मौत के घाट उतार दिया और वारदात के बाद फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने लगातार दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामला रायपुर कमिश्नरेट के उरला थाना क्षेत्र का है जहां प्रार्थी भुवनलाल साहू ने थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ग्राम सरोरा उरला में चौकीदारी का काम करता है और उसके घर में पुत्र गिरधर गोपाल, पुत्री तथा दामाद प्रकाश साहू पिछले करीब तीन वर्षों से साथ रह रहे थे। परिवार के भीतर लंबे समय से तनाव चल रहा था। प्रार्थी का पुत्र गिरधर गोपाल अक्सर अपने जीजा प्रकाश साहू को ससुराल में रहने को लेकर ताने मारता था। यही विवाद धीरे-धीरे गहरी दुश्मनी में बदल गया। 13 मई 2026 को रिंग रोड नंबर-2 ग्राम सरोरा स्थित साहू पान ठेला के पास दोनों के बीच फिर विवाद हुआ और गुस्से में बेकाबू हुए प्रकाश साहू ने चापड़ निकालकर गिरधर गोपाल पर हमला कर दिया। ताबड़तोड़ वार से युवक लहूलुहान होकर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही थाना उरला पुलिस हरकत में आई।

सड़क खंडों के समग्र विकास की कार्ययोजना बनाकर करें काम

भविष्य की जरुरतों के अनुरूप एक साथ स्वीकृत कराएं फ्लाई-ओवर्स

■ लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण कर कार्यो की प्रगति की समीक्षा की

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज संभागीय मुख्यालय दुर्ग में लोक निर्माण विभाग के दुर्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता तथा कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर भवनों, सड़कों और पुलों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने दुर्ग और पाटन में तीन कार्यस्थलों पर जाकर कार्यों का निरीक्षण भी किया। श्री बंसल ने बैठक में अधिकारियों को भविष्य की जरुरतों के अनुरूप सभी सड़क खंडों पर फ्लाई-ओवर्स की समग्र योजनाओं के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्ग परिक्षेत्र के लोक निर्माण विभाग के सभी संभागों में प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाते हुए समय-सीमा में काम पूर्ण करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी भी बैठक में मौजूद थे। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के 15 दिनों के भीतर चयनित एजेंसी से अनुबंध की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और समय-सीमा में काम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विभागीय अधिकारी अपने सुव्यवस्थित और समयबद्ध कार्यों से नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के बीच विभाग की अच्छी छवि बनाएं। सभी कार्यों को पूरी जवाबदेही, सक्रियता और गंभीरता से अंजाम दें। सचिव श्री बंसल ने सभी अधिकारियों को मुख्यालय में रहकर निर्माणाधीन कार्यों की पुख्ता और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र के सड़कों की स्थिति की पूरी जानकारी रखते हुए परफर्मेंस गारंटी वाली सड़कों में सुधार की जरूरत पर संबंधित ठेकेदारों से तत्काल मरम्मत कराने को कहा। उन्होंने मैदानी स्तर पर भू-अर्जन में आ रही बाधाओं से वरिष्ठ कार्यालयों को अवगत कराने को कहा, ताकि निराकरण की कार्यवाही उच्च स्तर पर यथासमय की जा सके। उन्होंने इनके निराकरण में किसी भी प्रकार की देरी नहीं करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने शासकीय भवनों के निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता एवं उपयोगिता के अनुरूप हॉरिजांटल की जगह वर्टिकल निर्माण को बढ़ावा देते हुए आधुनिक डिजाइनों और नई तकनीकों से निर्माण की कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने भवनों के निर्माण के दौरान निर्माण सामग्री से लेकर टाइल्स, पुट्टी और पेंट अच्छी गुणवत्ता का उपयोग करने को कहा। उन्होंने भूजल स्तर को रिचार्ज करने सभी भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की भी व्यवस्था के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने दुर्ग के साइंस कॉलेज में बन रहे 750 सीटर आडिटोरियम के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों में तेजी लाते हुए जल्द इसका निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जेल तिराहा से मिनीमाता चौक पुलगांव तक के सड़क चौड़ीकरण कार्य का भी अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने पाटन शासकीय कॉलेज के निर्माणाधीन भवन के कार्यों का भी निरीक्षण किया।

संपादकीय

नतीजों के बाद क्यों जल उठता है बंगाल?

पहले से ही वहां इस बात की आशंका लगातार बनी हुई थी कि चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक खींचतान का असर नतीजों के बाद टकराव के तौर पर सामने आ सकता है। पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान और उसके बाद हिंसक घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। विडंबना यह है कि इस तरह की घटनाओं की निंदा तो सभी दल करते हैं, लेकिन उसे रोकने के लिए कुछ भी ऐसा नहीं किया जाता, ताकि हिंसा के हालात बनें ही नहीं।गौरतलब है कि राज्य में इस बार विधानसभा के लिए हुए चुनावों के दौरान कोई बड़ी हिंसक घटना सामने नहीं आई, लेकिन नतीजे आने के बाद जैसी खबरें आ रही हैं, उससे साफ है कि हिंसा का सहारा लेने वाले असामाजिक तत्वों को रोकने के मद्देनजर एहतियातन कुछ भी नहीं किया गया। नतीजतन, बुधवार को राज्य में भाजपा के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक सहित पांच लोगों की हत्या की खबर आई। इसके अलावा, कई लोग घायल भी हुए।पहले से ही वहां इस बात की आशंका लगातार बनी हुई थी कि चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक खींचतान का असर नतीजों के बाद टकराव के तौर पर सामने आ सकता है। मगर ऐसी स्थितियों से निपटने में प्रशासनिक विफलता का ही यह नतीजा है कि राज्य में कई जगहों पर हिंसा और अराजकता के हालात पैदा हुए।सवाल है कि आखिर किन वजहों से राज्य प्रशासन इस बात का आकलन करने में नाकाम रहा कि चुनावी नतीजों के बाद मुख्य राजनीतिक पक्षों के बीच का तनाव हिंसा में भी फूट सकता है। चुनाव के दौरान बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की वजह से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संभव हो सका, तो क्या ऐसा बाद में भी नहीं हो सकता था? राज्य के चुनावों में एक समय ऐसे तनाव और टकराव के पक्ष अलग थे, लेकिन वहां की सियासी तस्वीर में समय के साथ हुए बदलाव के बाद अब वहां के दो प्रतिद्वंद्वी दल मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी हैं। करीब पंद्रह वर्ष बाद वहां तृणमूल कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने के बाद राज्य में कई जगहों पर सुरक्षा बलों की उपस्थिति के बावजूद हिंसक झड़प और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं।प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के कार्यालयों में तोड़फोड़, आगजनी और उनके समर्थकों तथा कार्यकर्ताओं के घरों तक पर हमले की खबरें यह बताती हैं कि राजनीतिक दलों के बीच अपने विरोधियों के प्रति लोकतांत्रिक उदारता दिखाने की औपचारिकता भी खत्म होती जा रही है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हिंसक घटनाओं के दो सौ से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज की गई और करीब साढ़े चार सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। मगर जो काम पुलिस और प्रशासन ने स्थिति बेलगाम हो जाने के बाद किया, अगर पहले ऐसे कदम उठाए जाते, तो शायद कई जगहों पर हिंसा को रोका जा सकता था।यह समझना मुश्किल है कि जो लोग नाहक या फिर प्रतिक्रिया के तौर पर हिंसक गतिविधियों का सहारा लेते हैं, वे आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं। फिर आक्रामकता और अराजकता का सहारा लेकर ऐसे लोग क्या साबित करना चाहते हैं?यह ध्यान रखने की जरूरत है कि लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति चुनावी नतीजों का विश्लेषण करता है और परिपक्व तरीके से उस पर सभ्य प्रतिक्रिया देता है। अफसोस की बात यह है कि राजनीतिक दलों और उनके शीर्ष नेतृत्व की ओर से अपने समर्थकों को नियंत्रित रखने और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध या समर्थन जाहिर करने को लेकर शायद ही कभी कोई संदेश जारी किया जाता है।

प्रधानमंत्री द्वारा 'विदेशी मुद्रा बचाने' के आह्वान के राजनीतिक-आर्थिक निहितार्थ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी प्रकार की आपदा को अवसर में बदलना जानते हैं। पहले कृत्रिम वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19), फिर रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका/इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया है। फिलवक्त मौजूदा वैश्विक संकट से भारत को निजात दिलाने और इससे प्रभावित हो रहे आम भारतीयों के हितों की रक्षा करने के लिए ही उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने, आयातित वस्तुओं का उपभोग मितव्ययिता पूर्वक करने और इनके मौजूद देशी विकल्प को आजमाते हुए स्थायी हल निकालने और उनपर निर्भर होने की दिशा में जनसहयोग का आह्वान करके सबको चौंका दिया है।

(कमलेश पांडे)

भारत-यूरोप की बढ़ती नजदीकियों और उसको निकट भविष्य में और अधिक बल देने वाली विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं पर अमल से चिढ़े अमेरिकी डीप स्टेट और उनके चीनी-अरबी पिट्ठुओं ने पहले ईरान को बर्बाद करने और फिर इंडिया को उसकी तपिश में झुलसाने की जो कुचक्र रची है, अब भारत उसकी भी काट ढूंढ चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी प्रकार की आपदा को अवसर में बदलना जानते हैं। पहले कृत्रिम वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19), फिर रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका/इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया है। फिलवक्त मौजूदा वैश्विक संकट से भारत को निजात दिलाने और इससे प्रभावित हो रहे आम भारतीयों के हितों की रक्षा करने के लिए ही उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने, आयातित वस्तुओं का उपभोग मितव्ययिता पूर्वक करने और इनके मौजूद देशी विकल्प को आजमाते हुए स्थायी हल निकालने और उनपर निर्भर होने की दिशा में जनसहयोग का आह्वान करके सबको चौंका दिया है।

समझा जाता है कि अमेरिका, चीन, यूरोप और अरब के कुछ देशों के द्वारा लगातार भारत विरोधी षड्यंत्र किए जा रहे हैं। कोई अपना इस्लामिक एजेंडा भारत पर थोपना चाहता है तो कोई भारत-रूस के भरोसेमंद सम्बन्धों में पलीता लगाना चाहता है और कोई भारत को पाकिस्तान, बंग्लादेश और चीन के त्रिपक्षीय कुचक्र में उलझा कर अपना आर्थिक हित साधना चाहता है। जबकि, तेजी से आर्थिक और सैन्य उन्नति कर रहा 21वीं सदी का भारत अब रूस-ईरान-इजरायल के सहयोग से मध्य एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बाजारों तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है।

भारत-यूरोप की बढ़ती नजदीकियों और उसको निकट भविष्य में और अधिक बल देने वाली विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं पर अमल से चिढ़े अमेरिकी डीप स्टेट और उनके चीनी-अरबी पिट्ठुओं ने पहले ईरान को बर्बाद करने और फिर इंडिया को उसकी तपिश में झुलसाने की जो कुचक्र रची है, अब भारत उसकी भी काट ढूंढ चुका है। इस बार भारत ने लोकल फॉर वोकल और चीनी वस्तुओं के बहिष्कार करने की जगह विदेशी मुद्रा बचाने हेतु विभिन्न सकारात्मक पहल करने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मौजूदा सरकार अपनी त्रासदी से निपटने के लिए आपसे कोई सोना नहीं मांग रही है, बल्कि अगले 1 साल तक इनकी खरीदारी कम करने की बात कह रही है ताकि विदेशी मुद्रा बचे। इसी कड़ी में उन्होंने उन तमाम वस्तुओं का जिक्र बारी-बारी से किया और कहा कि इनपर विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च होते हैं, इसलिए अगले 1 साल तक इनका संयमित उपभोग कीजिए। दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित कीजिए।

स्पष्ट है कि यह सिर्फ देशभक्ति वाला संदेश नहीं होता; बल्कि यह आर्थिक संकेत भी होता है कि सरकार को वैश्विक अनिश्चितता, महंगे आयात, या डॉलर पर दबाव की चिंता है। ऐसा इसलिए कि जब विदेशी मुद्रा पर दबाव होता है, तब देश कोशिश करता है कि रुपये पर ज्यादा दबाव न पड़े, जरूरी आयात (तेल, दवा, रक्षा) जारी रह सकें, महंगाई नियंत्रित रहे, विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहे। उल्लेखनीय है कि भारत की विदेशी मुद्रा कई बड़े क्षेत्रों में खर्च होती है, लेकिन सबसे ज्यादा खर्च आयात पर होता है।

अगर सबसे ज्यादा की बात करें, तो आमतौर पर क्रम कुछ ऐसा रहता है- 1. कच्चा तेल 2. इलेक्ट्रॉनिक्स/मशीनरी 3. सोना 4. रसायन/उर्वरक 5. रक्षा खरीद। हाल के वर्षों में भारत का सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा खर्च कच्चे तेल के आयात पर ही रहा है। उनके हाल के बयान की बात करें तो मौजूदा वैश्विक संकट (जैसे युद्ध, तेल कीमतें, सप्लाई-चेन दबाव) के बीच प्रधानमंत्री ने विदेशी मुद्रा बचाने की बात जब कही, तो इसका अर्थ आमतौर पर यह होता है कि भारत डॉलर में होने वाले खर्च को कम करे और आय बढ़ाए।

उल्लेखनीय है कि ऐसे आह्वानों के मुख्य बिंदु आमतौर पर ये होते हैं- आयात कम करना/ आत्मनिर्भरता बढ़ानाक्ष् खासकर तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, खाद्य तेल जैसी चीजों में विदेश निर्भरता घटाना। लोकल खरीदें और घरेलू उत्पादन बढ़ाने की बात इसी से जुड़ती है।

इसलिए प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी मुद्रा बचाने की बात का राजनीतिक-आर्थिक मतलब संदर्भ पर निर्भर करता है, लेकिन आम तौर पर इसके कई स्तर होते हैं। इसके मायने क्या हैं? इसे ऐसे समझते हैं।

पहला, आर्थिक मायने- आयात बिल कम करने का संकेत। चूंकि भारत का बड़ा विदेशी मुद्रा खर्च तेल, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स आयात पर होता है। लिहाजा जब सरकार विदेशी मुद्रा बचाने की बात करती है, तो अक्सर मतलब होता है- घरेलू उत्पादन बढ़ाओ (मेक इन इंडिया जैसी नीति), आयातित वस्तुओं पर निर्भरता घटाओ, ऊर्जा बचत या वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा दो और रुपये और व्यापार घाटे पर दबाव कम करो। क्योंकि अगर बहुत ज्यादा डॉलर बाहर जाते हैं तो रुपये पर दबाव पड़ सकता है और व्यापार घाटा बढ़ सकता है।

इसलिए विदेशी मुद्रा बचाने का संदेश बाजार को यह संकेत भी देता है कि सरकार बाहरी आर्थिक जोखिमों को लेकर सतर्क है। चूंकि ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा अहम है इसलिए तेल आयात महंगा होने पर सरकार कभी-कभी ईंधन बचत, एथेनॉल मिश्रण, इलेक्ट्रिक वाहन, या घरेलू उत्पादन पर जोर देती है ताकि डॉलर खर्च कम हो। वहीं, विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत रखने से आयात भुगतान, संकट प्रबंधन और निवेशकों का भरोसा बनाए रखने में मदद मिलती है।

दूसरा, राजनीतिक मायने- आत्मनिर्भरता की राजनीतिक कथा जैसा संदेश अक्सर देशी बनाम विदेशी निर्भरता या आत्मनिर्भरता के नैरेटिव से जुड़ता है—यानी आर्थिक राष्ट्रवाद का तत्व। वहीं जनता से व्यवहार परिवर्तन की अपील के पीछे कभी-कभी सरकार जनता से कुछ आदतें बदलने (जैसे ऊर्जा बचत, आयातित वस्तुओं का कम उपयोग) की नैतिक अपील करती है, ताकि नीति को सामाजिक समर्थन मिले। इससे कठिन आर्थिक समय का संकेत भी मिलता है।

स्पष्ट है कि यदि बयान ऐसे समय आए जब तेल महंगा हो, डॉलर मजबूत हो, या वैश्विक संकट हो, तो यह आर्थिक सावधानी का संकेत भी माना जा सकता है- हालांकि जरूरी नहीं कि संकट ही हो। जहां तक नीतिगत फैसलों की पृष्ठभूमि तैयार करने की बात है तो ऐसे बयान आगे चलकर कुछ कदमों (आयात शुल्क, उत्पादन प्रोत्साहन, ऊर्जा नीति, निर्यात बढ़ावा) के लिए राजनीतिक आधार भी बना सकते हैं।

आइए, यहां पर हमलोग समझते हैं कि किन-किन वस्तुओं पर विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च होती है-

पहला, कच्चा तेल और पेट्रोलियम आयात- भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा तेल विदेशों से खरीदता है। इसलिए विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा खर्च तेल, गैस और पेट्रोलियम उत्पादों पर होता है। उदाहरण- ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) जैसी घरेलू कंपनियाँ उत्पादन करती हैं, फिर भी आयात बहुत अधिक है।

दूसरा, सोना आयात- भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ताओं में है। ज्वेलरी और निवेश के लिए भारी मात्रा में सोना आयात किया जाता है, जिससे डॉलर में भुगतान करना पड़ता है।

तीसरा, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी- मोबाइल फोन के पार्ट्स, सेमीकंडक्टर, कंप्यूटर उपकरण, औद्योगिक मशीनें आदि विदेशों से आती हैं। जैसे एप्पल इंक. या अन्य ब्रांडों के कंपोनेंट्स का आयात।

चौथा, रक्षा उपकरण- लड़ाकू विमान, हथियार, रक्षा तकनीक और सैन्य उपकरणों की खरीद पर भी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उदाहरण- राफेल जैसे विमान खरीद।

पांचवां, रसायन, उर्वरक और दवाओं का कच्चा माल- खेती के लिए उर्वरक और दवा उद्योग के लिए कई सक्रिय रसायन विदेशों से मंगाए जाते हैं।

छठा, विदेश यात्रा और शिक्षा- भारतीय जब विदेश में पढ़ाई, इलाज, पर्यटन या बिजनेस के लिए खर्च करते हैं, तब भी विदेशी मुद्रा बाहर जाती है।

सातवां, विदेशी कंपनियों को भुगतान- टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर लाइसेंस, रॉयल्टी, निवेशकों को मुनाफा आदि के रूप में भी डॉलर/विदेशी मुद्रा जाती है।

आठवां, ऊर्जा बचत- तेल आयात भारत का बड़ा विदेशी मुद्रा खर्च है। पेट्रोल-डीजल की खपत कम करना, गैस/बिजली की बचत, वैकल्पिक ऊर्जा अपनाना—इनका सीधा असर डॉलर बचत पर पड़ता है। वैश्विक संघर्षों से तेल आपूर्ति प्रभावित होने की चिंता सरकार ने भी जताई है।

नौवां, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा- विदेशी सामान की जगह भारतीय उत्पाद खरीदने से डॉलर बाहर कम जाता है। वोकल फॉर लोकल का आर्थिक मतलब यही है।

दसवां, निर्यात और निवेश बढ़ाना-विदेश से डॉलर कमाने के लिए निर्यात, सेवाएं, और विदेशी निवेश आकर्षित करने पर जोर। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पश्चिम बंगाल में 10 काम जो सबसे पहले करना चाहेगी बंगाल की शुभेंदु सरकार, कुछ फैसलों से होगा देश पर असर

(सत्येंद्र प्रताप सिंह)

ममता बनर्जी अपनी पराजय के लिए भले ही एसआईआर को वजह बता रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर सत्ता विरोधी लहर थी। पराजय के बाद टीएमसी के नेता ही अब विफलताओं व कमियों को गिना रहे हैं। भाजपा भी इन विफलताओं व कमियों को भांपते हुए 10 कार्य जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर जितना जल्द हो सके करना चाहेगी।

भाजपा के शीर्ष नेताओं में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी के हर भाषण में घुसपैठ और भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दा था। ऐसे में घुसपैठियों को रोकने के लिये और भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सरकार देना पहली प्राथमिकता होगी। कानून व्यवस्था को भी मजबूत व विश्वसनीय बनाना प्राथमिकता होगी। प्राथमिकता के आधार पर 10 कार्यों पर एक नजर डालते हैं।

01. बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों पर रोक लगाना शुरू से ही भाजपा का एजेंडा रहा है। ऐसे में शुभेंदु सरकार पहला काम इसी मुद्दे पर करेगी। इसके लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी मजबूत की जाएगी। घुसपैठियों को पहचान कर वापस भेजा जाएगा। बांग्लादेशी घुसपैठियों को शह देने वाले वालों पर सख्ती की जाएगी।

02. ममता बनर्जी के शासन में हुए भ्रष्टाचार, कट मनी, सिंडिकेट राज आदि को उजागर करने के लिए व्हाइट पेपर जारी किया जाएगा। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के तहत भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए जाएंगे। साथ ही कट मनी संस्कृति को पूरी तरह खत्म किया जाएगा।

03. राजनीतिक हिंसा को पूरी तरह समाप्त करना और पुलिस प्रशासन को दलीय राजनीति से मुक्त कर भयमुक्त व निष्पक्ष बनाना। राजनीतिक प्रतिशोध में मामलों पर रोक लगाना ताकि पुलिस प्रशासन पर आम जनता का विश्वास लौट सके।

04. संदेशखाली और आरजीकर सरीखा कांड भविष्य में न हो इसके लिए महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाना और कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना। लखी भंडार की जगह अन्नपूर्णा भंडार लागू करना। इस योजना के तहत हर महीने 1 से 5 तारीख के मध्य 3 हजार रुपये ट्रांसफर करेगी। साथ ही महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 33% आरक्षण भी दिया जाएगा।

05. बेरोजगार युवाओं को 3 हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता देना। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवाओं को 15 हजार रुपये का फंड मिलेगा। वहीं भर्ती घोटालों से प्रभावित युवाओं को आयु सीमा में 5 साल की छूट दी जाएगी। युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया शुरू करने और एक करोड़ नौकरियां देने के लक्ष्य पर भी काम होगा।

06. औद्योगिकरण और रोजगार के लिए राज्य में बंद पड़े कल कारखानों को चालू कराना, नई इंडस्ट्री लाना और रोजगार के रास्ते खोलना प्राथमिकता होगी। सरकारी नौकरियों में रिक्त पदों को तेजी से भरना और पारदर्शिता लाना।

07. स्वास्थ्य सेवाओं का आधुनिकीकरण और सरकारी अस्पतालों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और चिकित्सा सुविधाओं को दुरुस्त करना। राज्य सरकार के स्वास्थ्य साथी कार्ड पर विचार और आयुष्मान भारत कार्ड पर निर्णय लेना।

08. इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के तहत ग्रामीण इलाकों में बेहतर सड़कें बनाना और मुख्य सड़कों से जोड़ना। पुरुलिया, मालदा, बालुरघाट जैसे हवाई अड्डों का परिचालन जितना जल्द हो सके सुनिश्चित करना। उत्तर बंगाल के विकास में रफ्तार लाना। खासकर, दार्जिलिंग हिल्स में गोरखा समुदाय की मांगों का स्थायी समाधान करना और उत्तर बंगाल में चार नए शहर विकसित करना।

09. डबल इंजिन सरकार आने के बाद किसानों को केंद्र का समर्थन दिलाना। कृषक बंधु योजना के अलावा पीएम-किसान सम्मान निधि जैसी केंद्रीय योजनाओं को पूर्ण रूप से लागू करना। जूट उद्योग को विशेष प्राथमिकता देना।

10. राज्य के सरकारी कर्मचारियों को लंबित 7वें वेतन आयोग का पूरा लाभ और भयमुक्त कामकाजी माहौल देना। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में कहा था कि सत्ता संभालते ही 45 दिनों के अंदर राज्य में 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाएगा। इसके तहत कर्मचारियों पेंशनभोगियों की तनख्वाह बढ़ाई जाएगी और उन्हें महंगाई भत्ते के बकाया का भुगतान किया जाएगा। बहरहाल, प्राथमिकता के 10 कार्यों में शुभेंदु सरकार की नजर कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास और औद्योगीकरण पर रहने की उम्मीद है। खजाना खाली है लेकिन डबल इंजिन सरकार बनने के बाद राज्य सरकार, केंद्र सरकार से उम्मीद तो कर ही सकती है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

(उमेश चतुर्वेदी)

विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है।

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई।

झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे।

विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलू चप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त।

झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चर्चाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था।

उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया।

गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी श्रृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है।

पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वट वृक्ष की पूजा कर पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और परिवार के कल्याण के लिए रखा निर्जला व्रत

वट सावित्री व्रत पर सुहागिन महिलाओं ने की अखंड सौभाग्य की कामना

दंतेवाड़ा। ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार को जिले भर में सुहागिन महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ वट सावित्री व्रत एवं पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने वट वृक्ष (बरगद) की पूजा कर अपने पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य, सुख-समृद्धि तथा परिवार की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा संपन्न की।

सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने निभाई परंपरा-प्रातःकाल से ही महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर पूजा की तैयारी की। वट वृक्ष के नीचे सत्यवान-सावित्री और यमराज का स्मरण करते हुए विधिवत पूजा-अर्चना की गई। महिलाओं ने वृक्ष की जड़ों में जल अर्पित किया तथा रोली, अक्षत, पुष्प, धूप, भिगोया हुआ चना और श्रृंगार सामग्री चढ़ाई।

वट वृक्ष को बांधा रक्षासूत्र, की सात परिक्रमा-पूजा के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष के तने पर कच्चा सूत और रक्षासूत्र बांधते हुए सात बार परिक्रमा की। इसके बाद सत्यवान-सावित्री की कथा श्रवण कर पति की लंबी आयु और वैवाहिक जीवन की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की।

सावित्री के अटूट संकल्प का प्रतीक है व्रत- पौराणिक मान्यता के अनुसार, माता सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प, तप और पतिव्रता धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। उसी घटना की स्मृति में विवाहित महिलाएं वट सावित्री व्रत रखती हैं और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगती हैं।

नगर के वट वृक्षों पर उमड़ी श्रद्धालुओं माता बहनों की भीड़-दंतेवाड़ा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में वट सावित्री पूजा पूरे विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। नगर के ब्लॉक कॉलोनी स्थित प्राचीन वट वृक्ष के नीचे बड़ी संख्या में महिलाओं ने पूजा-अर्चना की। पूजा स्थलों पर दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा और महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की।

सड़क बनी चमचमाती, लेकिन ड्रेनेज सिस्टम फेल, प्री मॉनसून की बारिश में डूबा केशकाल

केशकाल। शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग का नवीनीकरण कार्य भले ही पूरा हो चुका हो, लेकिन नाली सफाई और पानी निकासी को लेकर अब तक कोई प्रभावी पहल नहीं किए जाने से आम जनता भारी परेशानियों का सामना कर रही है। शनिवार दोपहर आई तेज़ आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश ने शहर की बदहाल ड्रेनेज व्यवस्था की पूरी पोल खोलकर रख दी। महज़ आधे घंटे की बारिश में सड़क किनारे पानी भर गया, कई जगह नालियां जाम हो गईं और पानी की निकासी पूरी तरह ठप पड़ गई। हालात ऐसे बन गए कि नालियों का गंदा पानी लोगों के घरों और दुकानों तक पहुंच गया। इससे स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में भारी नाराज़गी देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने सड़क निर्माण तो कर दिया, लेकिन ड्रेनेज व्यवस्था और नालियों की नियमित सफाई की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया गया। जगह-जगह नालियों में गाद, मिट्टी और कचरा जमा है, जिससे बारिश का पानी निकलने के बजाय सड़कों और बस्तियों में भर रहा है। बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में घंटों तक जलभराव की स्थिति बनी रही। राहगीरों, वाहन चालकों और दुकानदारों को कीचड़ और गंदे पानी के बीच भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि यदि अभी प्री-मानसून में ही यह हाल है, तो मानसून के दौरान शहर की स्थिति और भयावह हो सकती है। इधर केशकाल एसडीएम ने संज्ञान लेते हुए तत्काल एनएच विभाग के अधिकारियों को ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने कहा कि जल्द से जल्द एनएच के नालियों की सफाई शुरू करवाई जा रही है ताकि बारिश के मौसम में नगरवासियों को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

दंतेवाड़ा के युवा पत्रकार के. रघु राव को 'राष्ट्रीय समाज सेवा पुरस्कार'

किरंदुल। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले से एक गौरवपूर्ण खबर सामने आई है। जनहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए पहचाने जाने वाले युवा पत्रकार के.रघु राव को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय समाज सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2026 जो जीवरन फाउंडेशन द्वारा पत्रकारिता, जन-जागरूकता और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। फाउंडेशन द्वारा जारी प्रशस्ति-पत्र में कहा गया है कि नक्सल प्रभावित जिला दंतेवाड़ा और दुर्गम बस्तर क्षेत्र में पत्रकारिता करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके बावजूद के.रघु राव ने सच्चाई, निर्भीकता, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ पत्रकारिता के मूल्यों को जीवित रखा है। संस्था ने यह भी बताया कि उन्होंने आदिवासी समाज, ग्रामीण जनता और हाशिए पर खड़े लोगों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तथा मुख्यधारा तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी पत्रकारिता को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बताया गया है। गौरतलब है कि यह राष्ट्रीय सम्मान 15 मई 2026 को जारी किया गया। के. रघु राव ने डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने बस्तर चौपाल नामक डिजिटल न्यूज़ प्लेटफॉर्म की स्थापना की, जो दंतेवाड़ा व बस्तर संभाग की संस्कृति, लोककला, आदिवासी जीवन और सकारात्मक बदलावों को देश-दुनिया तक पहुँचा रहा है। 'बस्तर चौपाल' के माध्यम से दंतेवाड़ा व बस्तर के पर्यटन स्थलों, लोकगीतों, संस्कृतिक धरोहर, युवाओं की उपलब्धियों और सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से सामने लाया गया है, जिससे क्षेत्र की सकारात्मक छवि को मजबूती मिली है। इसके अलावा, के. रघु राव पत्रकारों के हितों के लिए भी लगातार सक्रिय रहे हैं। राजधानी रायपुर तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में पत्रकार साथियों को न्याय हेतु व पत्रकार संघर्ष में शामिल होकर उन्होंने हमेशा अपनी दायित्व निभाई है।

उन्हें श्रमजीवी पत्रकार संघ, दंतेवाड़ा जिला में सह-कार्यालय सचिव पद की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। के. रघु राव को यह सम्मान मिलने पर दंतेवाड़ा सहित पूरे बस्तर संभाग में खुशी की लहर है। स्थानीय पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मित्रों और नागरिकों ने इसे बस्तर एवं दंतेवाड़ा की पत्रकारिता के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है।

किरंदुल में महिलाओं द्वारा मनाया गया बट सावित्री व्रत

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल के विभिन्न स्थान जैसे श्री राघव मंदिर, गजराज कैम्प, बंगाली कैम्प, धरमपुर कैम्प, मेन मार्केट में सावित्री व्रत का पालन किया गया। गौरतलब हैं प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या को बट सावित्री व्रत मनाया जाता है।बता दें किरंदुल में महिलाओं ने वट वृक्षों की पूजा अर्चना कर अपने पति के लिए लंबी आयु की कामना किये। राघव मंदिर के प्रधान पुजारी ने बताया हिंदू धर्म में वट वृक्ष की पूजा और परिक्रमा का विधान है,महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए विशेष पूजा करती हैं।

मुलमुला धान खरीदी केंद्र में 1.53 करोड़ की गड़बड़ी, चार कर्मचारियों को नोटिस

कोंडागांव। जिले के मुलमुला धान खरीदी केंद्र में धान उपार्जन में बड़ी अनियमितता सामने आई है। खाद्य शाखा एवं कलेक्टर कार्यालय की जांच में ऑनलाइन रिकॉर्ड और भौतिक सत्यापन के बीच भारी अंतर पाया गया। जांच के दौरान 4936.17 क्विंटल धान की फर्जी खरीदी उजागर हुई, जिससे शासन को लगभग 1.53 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। मामले में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। प्रशासन ने समिति प्रबंधक गोविंद मंडल, खरीदी प्रभारी कुमंता पटेल, कंप्यूटर ऑपरेटर रीना कौशिक और बारदाना प्रभारी आकाश देवांगन को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। घटना के बाद जिले की धान खरीदी व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

नगर निकायों एवं ग्राम पंचायतों के उप निर्वाचन हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा नगरीय निकायों एवं नगर पंचायतों के उप निर्वाचन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु विभिन्न क्षेत्रों के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए है। जारी आदेशानुसार कार्यपालन दण्डाधिकारी चारामा सत्येन्द्र शुक्ला एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी लखनपुरी हेमलता सलाम को नगर पंचायत चारामा एवं ग्राम पंचायत सीमा क्षेत्रों के लिए सेक्टर मजिस्टेऊट नियुक्त किया है। इसी प्रकार कार्यपालिक दण्डाधिकारी पखांजूर केतन कुमार भोयर एवं विकास कुमार सैनी को नगर पंचायत पखांजूर सीमा एवं ग्राम पंचायत क्षेत्रों के लिए, कार्यपालिक दण्डाधिकारी नरहरपुर पुष्पराज पात्र एवं भाग्यश्री गंवरे को ग्राम पंचायत नरहरपुर सीमा क्षेत्रों के लिए, कार्यपालिक दण्डाधिकारी भानुप्रतापपुर सुरेन्द्र उर्वशा एवं प्रवीन नेताम को ग्राम पंचायत भानुप्रतापपुर सीमा क्षेत्रों के लिए, कार्यपालिक दण्डाधिकारी दुर्गूकोंदल कुलदीप ठाकुर एवं सुमित कुमार देवांगन को ग्राम पंचायत दुर्गूकोंदल सीमा क्षेत्रों के लिए और कार्यपालिक दण्डाधिकारी कोयलीबेड़ा सूरज साहू को ग्राम पंचायत कोयलीबेड़ा सीमा क्षेत्रों के सेक्टर मजिस्टेऊट नियुक्त किया गया है। नियुक्त सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र के कानून व्यवस्था के लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार रहेंगे। तथा प्रतिदिन उल्लेखित घटना की जानकारी संबंधित अनुभाग क्षेत्र के अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी को अनिवार्य रूप से भेजेंगे। प्रत्येक सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ एक पुलिस अधिकारी की ड्यूटी हेतु पुलिस अधीक्षक कांकेर द्वारा व्यवस्था की जाएगी।

शोढ़-सिवनी मार्ग जर्जर, ग्रामीणों ने निर्माण गुणवत्ता जांच की मांग उठाई

कोंडागांव। जिले के माकड़ी विकासखंड अंतर्गत शोढ़-सिवनी मार्ग की हालत बदहाल हो गई है। सड़क के पूरी तरह जर्जर होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया, जिसके कारण सड़क कुछ ही समय में उखड़ने लगी। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना कई गांवों के लोग गुजरते है, लेकिन खराब सड़क के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। बारिश के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई तथा शीघ्र मरम्मत की मांग प्रशासन से की है।

विशेष अभिषेक, सुंदरकांड, हवन और महाभंडारे के साथ मनाया गया भगवान शनिदेव का अवतरण दिवस

शनि जयंती पर शनि मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

दंतेवाड़ा। न्याय के देवता एवं सूर्यपुत्र भगवान शनिदेव की जयंती शनिवार को नगर स्थित शनि मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। शनि जयंती के पावन अवसर पर प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शनिदेव का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस वर्ष शनि जयंती शनिवार के दिन पड़ने से इसका धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ गया। ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को भगवान शनिदेव का अवतरण दिवस माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन पूजा-अर्चना करने से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैया से राहत मिलती है तथा जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

भव्य शोभायात्रा के साथ कराया गया नगर भ्रमण-शनि जयंती के एक दिन पूर्व शुक्रवार शाम भगवान शनिदेव की सुसज्जित प्रतिमा को पुष्पों से सजे वाहन में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पूजा-अर्चना कर भगवान के दर्शन किए। पूरे नगर का भ्रमण करने के पश्चात देर शाम भगवान शनिदेव पुनः मंदिर पहुंचे, जहां विशेष पूजा और आरती संपन्न हुई।

पंचामृत और तिल के तेल से हुआ विशेष अभिषेक-शनिवार प्रातः 6 बजे शुभ मुहूर्त में भगवान शनिदेव का दूध, दही, घी, शहद, पंचामृत, तिल के तेल तथा गंगाजल से अभिषेक किया गया। इसके बाद शनि चालीसा का पाठ और 32 दीपों से महाआरती की गई। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और कष्टों से मुक्ति की कामना की।

धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय हुआ वातावरण-सुबह 9 बजे से मंदिर समिति द्वारा सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, सत्संग और हवन का आयोजन किया गया। पूर्णाहुति के बाद संध्या बेला में श्रद्धालुओं के लिए महाभंडारे एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई।

शनिदेव को माना जाता है कर्मफल का न्यायाधीश-मंदिर के मुख्य पुजारी विभूषि भूषण मिश्र ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शनिदेव का जन्म सूर्यदेव एवं माता छाया से हुआ था। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें ग्रहों में सर्वोच्च स्थान प्रदान करते हुए मृत्युलोक का न्यायाधीश नियुक्त किया। शनिदेव मनुष्यों को उनके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं।उन्होंने बताया कि भगवान शनिदेव को मकर और कुंभ राशि तथा पुष्य, अनुराधा और उत्तराभाद्रपद नक्षत्रों का अधिपति माना जाता है। शनि जयंती पर श्रद्धापूर्वक पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

श्रद्धालुओं ने मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद-दिनभर मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने तेल, काला तिल, उड़द और दीप अर्पित कर भगवान शनिदेव से न्याय, शांति और समृद्धि की कामना की। संपूर्ण वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर रहा।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 के अंतर्गत educe Plastic Pollution" थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान–2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण एवं जन–जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान केवल एक दिवस तक सीमित न होकर विस्तारित अवधि में चरणबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुसार जागरूकता, संवाद एवं व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज अभियान के तीसरे दिन Reduce Plastic Pollution" (प्लास्टिक प्रदूषण में कमी) थीम पर मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा सभी विभागों से समन्वय के साथ मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम बिलासपुर, उसलापुर, अनूपपुर, शहडोल, चांपा, रायगढ़, अम्बिकापुर, उमरिया सहित मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों में आयोजित किया गया। इस दौरान यात्रियों एवं आमजन को पोस्टर, बैनर एवं जनसंदेशों के माध्यम से प्लास्टिक बोतल, कप एवं अन्य सिंगल यूज प्लास्टिक जैसी सामानों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु एकल प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के प्रति जागरूक किया गया इस अभियान के अंतर्गत स्टेशनों पर स्थापित प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यस्थिति एवं रखरखाव की समीक्षा की गई तथा यात्रियों को प्लास्टिक बोतलों के उचित निपटान हेतु इन मशीनों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्टेशनों पर विशेष जांच अभियान चलाकर सभी कैटरिंग स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। स्टॉल संचालकों एवं विक्रेताओं को सिंगल–यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। जूट एवं कपड़े के थैलों का वितरण करते हुए यात्रियों एवं स्टॉल संचालकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु इनके नियमित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया तथा प्लास्टिक के स्थान पर वैकल्पिक एवं पर्यावरण–अनुकूल सामग्री अपनाने का संदेश दिया गया। बिलासपुर मंडल पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत भविष्य में भी इसी प्रकार के जागरूकता एवं जनभागीदारी आधारित कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा ।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला इकाई की बैठक संपन्न

कोरबा । छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला इकाई की वर्चुअल बैठक संपन्न हुई, जिसमें शिक्षकों से जुड़ी हुई समस्याओं को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। संघ की सदस्यता पर विस्तृत चर्चा कर सभी पदाधिकारी को अपने–अपने आसपास के सदस्यों को सूचीबद्ध करने जिम्मेदारी दिया गया। 25 मई को सूची जमा करने का निर्णय लिया गया है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मनोज चौबे ने संघ के पदाधिकारियों का वर्चुअल बैठक लेकर बताया कि कई विकास खण्डों में शिक्षकों से जुड़ी हुई समस्याएं अभी भी जस की तस बनी हुई है। लेख कोषा एवं पेंशन कार्यालय से सेवा पुस्तिका का सत्यापन, टीईटी उत्तीर्ण एवं अन्य अतिरिक्त योग्यता को सेवा पुस्तिका में इंद्राज,छुट्टी स्वीकृत, लंबित वेतन का भुगतान सहित अन्य कई समस्याएं विकास खण्डों में है। इस संदर्भ में जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौपकर समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। बैठक में प्रमुख रूप से प्रमोद सिंह राजपूत प्रदेश संगठन मंत्री, मनोज चौबे जिला अध्यक्ष, नरेंद्र चंद्रा जिला सचिव, प्रदीप जायसवाल जिला मीडिया प्रभारी, बुद्धेश्वर सोनवानी जिला कोषाध्यक्ष, राजेंद्र नायक जिला उपाध्यक्ष, अनिल भट्टपहरे जिला उपाध्यक्ष, रामनारायण रविंद्र जिला संयोजक, रमेश जांगड़े जिला महामंत्री,श्रीमती निर्मला शर्मा जिला संयुक्त सचिव।

कलेक्टर का बिहारपुर अंचल में सघन निरीक्षण दौरा

धरातल पर परखी विकास कार्यों की गुणवत्ता...

- पूरक पोषण आहार केंद्र से लेकर एकलव्य विद्यालय तक का किया निरीक्षण
- बांक पर्यटन स्थल के विकास की संभावनाओं पर भी हुआ मंथन

सूरजपुर संवाददाता कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आज जिले के दूरस्थ अंचल बिहारपुर का सघन दौरा कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की धरातलीय हकीकत स्वयं परखी। प्रातः से प्रारंभ हुए इस मैराथन दौरे में कलेक्टर ने पूरक पोषण आहार उत्पादन केंद्र, नवनिर्मित महतारी सदन, नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अंतर्राज्यीय पुलिस चौकी नवाटोला , निर्माणाधीन एकलव्य विद्यालय एवं बांक पर्यटन स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने एक–एक तथ्य का गहन आकलन किया तथा जहां भी कमियां पाई गईं, वहां संबंधितों को मौके पर ही कमियों को दूर करने के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती जमील ने अपने दौरे की शुरुआत ग्राम करकोटू, भैयाथान स्थित पूरक पोषण आहार उत्पादन केंद्र से की। केंद्र में उन्होंने दलिया एवं अन्य पोषण उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया तथा कच्चे माल की आपूर्ति से लेकर तैयार उत्पादों के वितरण तक की समूची व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्र से निर्मित होने वाले प्रत्येक उत्पाद की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही उत्पादन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि यह पोषण आहार आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती एवं धात्री माताओं तक

पहुंचता है, अतः इसकी गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत ठाढ़पाथर, ओड़गी में नवनिर्मित महतारी सदन का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य में सामने आई कमियों को चिन्हित करते हुए उन्होंने संबंधितों को निर्देशित किया कि शीघ्रातिशीघ्र सभी आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण कराए जाएं। दौरे के क्रम में कलेक्टर श्रीमती जमील ने निर्माणाधीन नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर के भवन निर्माण कार्य का गहन निरीक्षण किया। निर्माण में पाई गई कमियों पर उन्होंने ठेकेदार को निश्चित समय–सीमा के भीतर सुधार कार्य पूर्ण करने तथा शेष निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ सम्पन्न कराने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण मानकों के कड़ाई से पालन करने की बात कही। अपने दौरे के अगले चरण में कलेक्टर श्रीमती जमील की गाड़ी अंतर्राज्यीय पुलिस चौकी नवाटोला तक पहुंची, जहां उन्होंने चौकी की समस्त व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरे कार्यरत न पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कैमरे तत्काल दुरुस्त कराए जाएं तथा चौकी की सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को पूरी तरह चाक–चौबंद रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां सतर्क निगरानी एवं चाक–चौबंद सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार्य नहीं है। कलेक्टर ने पालदनौली में निर्माणाधीन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का भी विस्तार से निरीक्षण किया।

गांव चपदा में शासकीय भूमि से अवैध कब्जा एक सप्ताह के भीतर नहीं हटाया गया तो ग्रामवासी करेंगे आंदोलन

सूरजपुर संवाददाता– तहसील ओड़गी अन्तर्गत ग्राम पंचायत चपदा में स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 369 रकबा 2.0800 हेक्टेयर जिस भूमि पर ग्राम पंचायत चपदा पंचायत भवन, उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन, माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला भवन बना हुआ है। उक्त शासकीय भूमि पर ग्राम पंचायत चपदा के निवासी मोहर साय आ0 मानसाय,साधना कुर्रे पति पवन कुमार , जयप्रकाश आ0 मोहर साय के द्वारा जबरन तरीके से मोहर साय आ0 मानसाय एवं साधना कुर्रे पति पवन कुमार के द्वारा प्रधानमंत्री आवास निर्माण किया जा रहा है तथा उक्त भूमि पर ही जयप्रकाश आ0 मोहर साय के द्वारा कच्चा मकान निर्माण किया जा रहा है। अवैध निर्माण कार्य के सम्बन्ध में

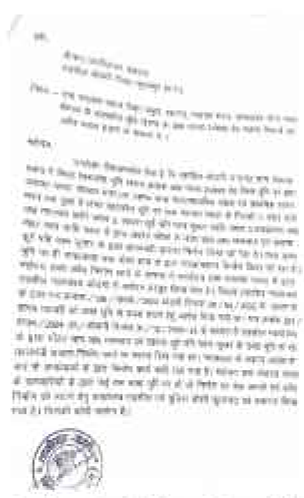

कार्यालय ग्राम पंचायत चपदा के द्वारा तहसील न्यायालय ओड़गी में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें तहसील न्यायालय के द्वारा पत्र क्रमांक / 138 / वाचक / 2022 ओड़गी दिनांक 28/04/2022 के माध्यम से हल्का पटवारी को उक्त भूमि से कब्जा हटाने हेतु आदेश दिया गया था। पत्र क्रमांक 261 /वाचन / 2024-25/ओड़गी दिनांक 31/12/2024-25 के माध्यम से तहसील न्यायालय के द्वारा मोहर साय आ0 मानसाय एवं साधना कुर्रे पति पवन कुमार के उक्त भूमि हो रहे प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य पर स्थगन दिया गया था। न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद भी अनावेदकों के द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया है। ग्राम पंचायत चपदा के ग्रामवासियों के द्वारा कई बार उक्त भूमि पर हो रहे निर्माण पर रोक लगाने एवं अवैध निर्माण को हटाने हेतु कार्यालय तहसील एवं पुलिस चौकी कुदरगढ़ को पत्राचार किया गया है।

पर्यावरण शपथ के साथ बिलासपुर मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 का शुभारंभ.....

- विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अंतर्गत विभिन्न जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर। बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर पर्यावरण संरक्षण हेतु जन–जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है । यह अभियान केवल एक दिन तक सीमित न होकर एक विस्तारित कालखंड में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें चरणबद्ध रूप से जागरूकता, संवाद, और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है । कल दिनांक 15 मई को पर्यावरण शपथ के साथ इस अभियान की शुरुआत की गई 7 इस अवसर पर मंडल के सभी कार्यालयों, स्टेशनों एवं कार्यस्थलों पर अधिकारियों तथा सभी कर्मचारियों द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाए रखने, दैनिक जीवन में पर्यावरण हितैषी बदलाव अपनाने तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया। इस अभियान के अंतर्गत आज मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं विभिन्न स्थानों पर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर अपनी पानी की बोतल साथ रखें विषय पर विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को अपनी पानी की बोतल साथ रखने, प्लास्टिक कचरे में कमी लाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सतत एवं हरित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया।

गायत्री परियोजना प्रभावितों के लिए बड़ी सौगात जोबगा में 95 रोजगार का रास्ता साफ हुआ........

- घटते क्रम में वरीयता सूची के विकल्प पर समिति ने दी सहमति
- जिला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक संपन्न

सूरजपुर संवाददाता। जिले के तहसील सूरजपुर अंतर्गत केतका स्थित गायत्री भूमिगत परियोजना, विश्रामपुर एसईसीएल क्षेत्र के लिए जिला पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना से प्रभावित भूमिस्वामियों एवं आश्रितों के पुनर्वास और रोजगार संबंधी विषयों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान ग्राम जोबगा की अधिग्रहित निजी भूमि से संबंधित भूमिस्वामियों एवं आश्रितों को कोल इंडिया पुनर्वास नीति 2012 के तहत रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में विचार–विमर्श किया गया। प्रभावित परिवारों को नीति के तहत निर्धारित रोजगार के दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन करने के लिए बैठक आयोजित की गई। जिसमें घटते क्रम में वरीयता सूची के विकल्प पर सहमति व्यक्त की गई । बैठक में लिए गए इस निर्णयों के आधार पर ही अब प्रभावित व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने की आगे की कार्रवाई की जाएगी। बैठक में बताया गया कि गायत्री भूमिगत परियोजना के अंतर्गत कुल 288.209 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है, जिसमें 220.784 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल है। परियोजना से ग्राम जोबगा, गेतरा और पोड़ी प्रभावित हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम जोबगा में कुल 77.69 हेक्टेयर (191.976 एकड़) भूमि अधिग्रहित की गई है। मुआवजा निर्धारण के समय यहां 168 खातेदार थे, जबकि अधिग्रहण तिथि के समय इनकी संख्या 161 खातेदार रही। निजी भूमि के लिए कुल 20.17 करोड़ रुपए मुआवजा राशि निर्धारित की गई है। इसमें अब तक 42 खातेदारों को 7.09 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है, जबकि 126 खातेदारों को 13.08 करोड़ रुपए का भुगतान शेष है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि कोल इंडिया पुनर्वास नीति 2012 के तहत परियोजना प्रभावितों के लिए 95 रोजगार का प्रावधान किया गया है।

भारतीय जनता पार्टी दुष्प्रचार की राजनीति में व्यस्त, जनता महंगाई और ईंधन संकट से परेशान–विद्यात्री सिंह देव

सूरजपुर संवाददाता। विद्यात्री सिंह देव ने भाजपा पर दुष्प्रचार और अनर्गल बयानबाजी की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भैयाथान की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील साहू के सोशल मीडिया दावों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हाल ही में पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव के क्षेत्रीय दौरे के दौरान भाजपा से जुड़े कई कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी, लेकिन भाजपा इसे झूठा बताकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने भाजपा नेताओं को आत्ममंथन करने और अपने संगठन की वास्तविक स्थिति समझने की सलाह देते हुए दावा किया कि आने वाले समय में भाजपा के और भी कार्यकर्ता कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल होंगे। महिलाओं पर लगाए गए आरोपों को लेकर उन्होंने भाजपा नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यदि किसी प्रकार के आरोपों के समर्थन में प्रमाण हैं तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए, अन्यथा महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले निराधार आरोप बंद किए जाएं। उन्होंने कांग्रेस में शामिल महिलाओं पर लगाए गए सभी आरोपों को तथ्यहीन और बेबुनियाद बताया। विद्यात्री सिंह देव ने कहा कि भटगांव विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे इलाके की जनता रसोई गैस की किल्लत, पेट्रोल-डीजल की कमी, बढ़ती महंगाई और कमजोर होती सुरक्षा व्यवस्था से परेशान है। उनके अनुसार आम परिवारों के लिए घर चलाना मुश्किल हो गया है, महिलाएं गैस सिलेंडर के लिए परेशान हैं और किसान व वाहन मालिक ईंधन संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार समाधान के बजाय राजनीतिक प्रचार में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि बढ़ती बेरोजगारी और युवाओं की उपेक्षा के कारण भाजपा के प्रति लोगों का विश्वास कम हो रहा है। बड़ी संख्या में युवक-युवतियां कांग्रेस की विचारधारा, सामाजिक न्याय, रोजगार और जनहित की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि युवाओं का झुकाव तेजी से कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है, जिससे भाजपा में घबराहट साफ दिखाई दे रही है। अंत में उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा किसानों, महिलाओं, मजदूरों, युवाओं और आम जनता की आवाज उठाती रही है और आगे भी क्षेत्र की जनता के हितों एवं अधिकारों के लिए मजबूती से संघर्ष करती रहेगी।

सुशासन शिविर से अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ–सुशांत शुक्ला......

- हितग्राहियों को मिला उज्जवला योजना का लाभ, 2 हितग्राहियों को महतारी जतन योजना के तहत 20–20 हजार का चेक वितरण

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले में 1 मई से सुशासन तिहार 2026 का सफल आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। इसी क्रम में आज बिल्हा विकासखण्ड के नेवसा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने अलग–अलग विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर उपस्थित नागरिकों से चर्चा की और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ लेने की अपील की। नेवसा समाधान शिविर में मांग एवं समस्याओं से संबंधित कुल 467 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 219 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया। शिविर स्थल में अलग–अलग हितग्राही मूलक योजनाओं के आबंटन पत्र, चेक का वितरण भी हितग्राहियों को किया गया।

मुख्य अतिथि बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि सुशासन शिविरों के माध्यम से आज शहर और सुदुर वनांचलों तक योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ पहुंच रहा है। आमजनों की समस्याओं के समाधान और योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार का आरंभ किया है। सुशासन तिहार के तहत आमजनों की समस्या की सुनवाई और निराकरण हो रहा है। निश्चित तौर पर ग्रामीणों ने योजनाओं के बारे में जाना है और उनका लाभ लेने आगे आ रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन से छ.ग. संवर रहा है। शिविर में खाद्य विभाग द्वारा निर्मला धीवर को उज्जवला योजना का लाभ प्रदान किया गया। 9 हितग्राहियों को विभिन्न पेंशन योजनान्तर्गत स्वीकृति आदेश, 2 किसान हितग्राहियों को ऋण वितरण, 9 हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, 2 हितग्राहियों को श्रम विभाग द्वारा महतारी जतन योजना के तहत 20–20 हजार की राशि का चेक वितरण, 2 हितग्राहियों को श्रम पंजीयन कार्ड, 5 शिशुओं का अन्नप्रासन, 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण, 3 हितग्राहियों का जॉब कार्ड वितरण, 10 हितग्राहियों को राशनकार्ड का वितरण किया गया। साथ ही अन्य को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, जिला पंचायत सदस्य अनुसुईया जागेन्द्र कश्यप, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष विक्रम सिंह,जनपद सदस्य कमला विजय साहू।

जलभराव रोकने निगम सक्रिय, शहरभर में नालों की सफाई कार्य प्रारंभ, महापौर ने सफाई कार्य का किया निरीक्षण

बारिश से पहले शहर के सभी नालों की सफाई अभियान शुरू, गिरधारी नगर नाले से हुई शुरुआत

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में बारिश के पूर्व जलभराव एवं गंदगी की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के उद्देश्य से नालों की व्यापक सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इसी कड़ी में टेंडर निविदा प्रक्रिया के तहत गिरधारी नगर नाला की सफाई कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। सफाई कार्य के लिए विशेष गैंग लगाकर मशीन एवं श्रमिकों के माध्यम से नाले की सफाई शुरू कराई गई। दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने मौके पर पहुंचकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को कार्य में गुणवत्ता एवं नियमित मॉनिटरिंग बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नाले में जमा गाद, कचरा एवं अवरोधों को शीघ्र हटाकर पानी निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी बारिश के दौरान नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े। आगामी बारिश को देखते हुए नगर पालिक निगम द्वारा शहर के सभी बड़े नालों की सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। अभियान की शुरुआत गिरधारी नगर नाला से की गई। महापौर अलका बाघमार ने स्थल पहुंचकर सफाई कार्य का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम द्वारा बारिश पूर्व जलभराव की समस्या रोकने हेतु सभी प्रमुख नालों की चरणबद्ध सफाई कराई। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई अभियान लगातार चलाया जा रहा है। नागरिकों की सुविधा एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखना निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बारिश पूर्व सभी वार्डों में सफाई व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा तथा जल निकासी से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि नालों एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फेंके तथा शहर को स्वच्छ रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, बाजार एवं राजस्व विभाग प्रभारी शेखर चन्द्राकर स्वास्थ्य प्रभारी निलेश अग्रवाल, विद्युत विभाग प्रभारी एवं वार्ड पार्षद ज्ञानेश्वर ताम्रकर, एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, रंजीता पाटिल, अरुण सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित मनमोहन शर्मा अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

बड़ी पाइप लाइन लीकेज सुधार कार्य हेतु दो दिनों तक प्रभावित रहेगा जलप्रदाय

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के बघेरा स्थित पानी टंकी के पास बड़ी पाइप लाइन में लीकेज होने के कारण शुद्ध पेयजल का व्यापक स्तर पर बहाव हो रहा है, जिससे जलप्रदाय व्यवस्था प्रभावित हुई है। स्थिति को देखते हुए निगम द्वारा पाइप लाइन रिपेयरिंग कार्य अत्यावश्यक रूप से कराया जा रहा है। कार्य 19 मई 2026 मंगलवार से 20 मई 2026 बुधवार तक जारी रहेगा। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा। निगम प्रशासन द्वारा आवश्यकता अनुसार प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। नगर निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे समय पूर्व पर्याप्त मात्रा में पानी का संग्रहण कर लें ताकि असुविधा से बचा जा सके। प्रभावित क्षेत्र निम्नानुसार हैं -वार्ड क्रमांक 56 बघेरा एवं एसटीएफ कॉलोनी पूरा वार्ड वार्ड क्रमांक 01 नया पारा एवं पंचशील नगर पूरा वार्ड वार्ड क्रमांक 02 राजीव नगर पूरा वार्ड वार्ड क्रमांक 03 मठपारा पूरा वार्ड,वार्ड क्रमांक 04 गयानगर पूरा वार्ड,वार्ड क्रमांक 35 बजरंग नगर (टीला आंशिक क्षेत्र) निगम प्रशासन के अनुसार कार्य पूर्ण होने के पश्चात दिनांक 21 मई 2026 से जलप्रदाय सामान्य रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा।

पॉवर लिफ्टिंग में दुर्ग का जलवा : बारबेरियन जिम के खिलाड़ियों ने जीते 09 स्वर्ण पदक

राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए चयनित हुए दुर्ग के खिलाड़ी, महाराष्ट्र में दिखाएंगे दमखम

दुर्ग। पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन छ.ग. एवं सक्ति जिला पॉवर लिफ्टिंग संघ के संयुक्त तत्वाधान में 7वीं राज्य स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन जिला सक्ति-मालखैरदा में किया गया। उक्त प्रतियोगिता में दुर्ग की टीम ने भी भाग लिया, प्रतियोगिता में दुर्ग के पॉवर लिफ्टिरो ने अपना वर्चस्व बरकरार रखा। टीम ने कुल 09 स्वर्ण पदक, तीन रजत पदक तथा दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास बनाया है। ये सभी विजेता खिलाड़ी आगामी माह में महाराष्ट्र में होनेवाली राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लेंगें। 56 किलोग्राम वर्ग समूह में सब जुनियर-जीतेश यादव ने स्वर्ण पदक एवं शुभम साहू ने रजत पदक, 56 किलोग्राम वर्ग समूह जुनियर में सुभाष यादव ने स्वर्ण तथा कृष्ण यादव ने रजत पदक, 60 किलोग्राम वर्ग समूह में सब जुनियर-प्रभाष कुमार नेताम ने स्वर्ण पदक, 60 किलोग्राम वर्ग समूह जुनियर में पूर्वज कुमार यादव ने स्वर्ण पदक, 67.5 किलोग्राम वर्गसमूह में मास्टर-02 के खिलाड़ी अरविंद उके ने स्वर्ण पदक तथा जूनियर वर्ग में तुषार सोनी ने रजत पदक, 75 किलोग्राम के जूनियर वर्ग में-ऋषभ यादव ने स्वर्ण पदक तथा भावेश साहू ने कांस्य पदक, 75 किलोग्राम वर्ग समूह में हो ज्ञानु चन्देल ने मास्टर-02 में स्वर्ण पदक तथा 82.5 किलोग्राम वर्गसमूह में चैतराम सिन्हा ने सीनियर एवं मास्टर की प्रतियोगिता में भाग लेकर 02 स्वर्ण पदक तथा इसी वर्ग मे सीनियर समीर श्रीवास्तव ने कांस्य पदक हासिल किया। इस प्रतियोगिता में सब जुनियर वर्ग के प्रभाष कुमार नेताम ने स्ट्रांगमेन ऑफ छत्तीसगढ़ एवं ऋषभ यादव ने जुनियर वर्ग में स्ट्रांगमेन ऑफ छत्तीसगढ़ का खिताब जीतकर दुर्ग शहर का नाम गौरवान्वित किया है। ये सभी खिलाड़ी बारबेरियन जिम, दुर्ग में अभ्यासरत है। इनकी इस उपलब्धि पर नरेन्द्र पारकर, उद्दल कुमार वाल्मीकी (महासचिव, पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन छ.ग.) बी. राजशेखर राव, महासचिव, छ.ग. बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन, लता यादव, रश्मि मेडम, भारती चन्द्राकर, प्रिया सिंह, रवि श्रीवास्तव, राजकुमार सर, अविनाश पारकर, ऋषि यादव, लक्ष्मण नागेश, गोकुल विश्वकर्मा, हर्ष सिंह राजपुत, कुनाल जैन, मनसुख मटियारा, स्वपनिल नामदेव आदि ने बधाई दी है।

टीम के मैनेजर आकाश निर्मलकर एवं कोच श्री नरेन्द्र सिंह पारकर है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निगम की कार्यशाला आयोजित

आयुक्त,सभापति एवं एम.आई.सी. सदस्यों की मौजूदगी में स्वच्छता व्यवस्था पर हुई विस्तृत चर्चा

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। आज महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में शुक्रवार को कार्यशाला आयोजित की गईइस अवसर पर आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा,देव नारायण चन्द्राकर, नीलेश अग्रवाल,नरेंद्र बंजारे,मनीष साहू,हर्षिका संभव जैन,शशि साहू सहित समस्त पार्षदगण एवं निगम स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला का आयोजन सचिव महोदया के निर्देशानुसार किया गया, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के विभिन्न प्रावधानों, उनके प्रभावी क्रियान्वयन, जनजागरूकता अभियान, कचरा पृथक्करण, डोर-टू-डोर कलेक्शन एवं स्वच्छता व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक के दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की साफ-सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण, नालियों की नियमित सफाई, डोर-टू-डोर कलेक्शन तथा स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों को विस्तारपूर्वक साझा किया। पार्षदों ने वार्ड स्तर पर नागरिकों को हो रही परेशानियों से अवगत कराते हुए स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। अधिकारियों द्वारा पार्षदों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए समस्याओं के शीघ्र निराकरण एवं बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया गया। अधिकारियों द्वारा कार्यशाला में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को नियमों की जानकारी देते हुए शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने हेतु नागरिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर का निर्माण केवल निगम प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि आम नागरिकों की सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत घर-घर से गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग संग्रहित करने की व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाएगा। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है तथा प्रत्येक वार्ड में नियमित साफ-सफाई, कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने वार्डों में नागरिकों को जागरूक करने एवं स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कार्यशाला में कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का उद्देश्य वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन, स्रोत पर कचरे का पृथक्करण एवं पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। निगम प्रशासन द्वारा नियमों के पालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निगम की टीम लगातार कार्य कर रही है तथा नागरिकों के सहयोग से शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई जाएगी।

सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं बल्कि जनआंदोलन है।

सुशासन तिहार शिविर में त्वरित समाधान, 30 युवाओं को मिला लर्निंग लाइसेंस, 3 हितग्राहियों को राशन कार्ड

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत विवेकानंद सभागार में आयोजित समाधान शिविर में इस दौरान आयुक्त सुमित अग्रवाल और लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर ने कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, मो.सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान की मौजूदगी में नागरिको से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। विवेका नंद सभागार में सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान - बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने पहुंचकर अपनी मांगों और समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में कुल 619 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें प्रधानमंत्री आवास, राजस्व - विभाग, राशन कार्ड, बिजली, सड़क, नाली निर्माण, शिकायत, अतिक्रमण शिकायत, मांग से जुड़े मामले दर्ज किए गए। जिसमे 475 मांग एवं 144 शिकायतों पर कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जनसमस्याओं के निराकरण में प्रशासन सक्रिय, शिविर में 30 युवाओं को लर्निंग लाइसेंस व 3 हितग्राहियों को राशन कार्ड आयुक्त सुमित अग्रवाल ओर प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर के द्वारा वितरित किया गया। सुशासन तिहार शिविर में सीधे लाभ जनता तक पहुंचाना और उनकी शिकायतों का मौके पर समाधान करना। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों ने आवेदकों को शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया। शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासनिक सुविधाओं को सीधे वार्डों तक लाया जा रहा है, ताकि आमजन को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें।

महावीर कॉलोनी में जल्द बनेगी नाली, 72 लाख की राशि स्वीकृत, जलभराव समस्या के समाधान की दिशा में बड़ी पहल

■ विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने देंगे : महापौर

दुर्ग। शहर की जनसमस्याओं के निराकरण एवं मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए महापौर अलका बाघमार लगातार वार्डों का निरीक्षण कर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने में जुटी हुई हैं। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 38 महावीर कॉलोनी क्षेत्र में लंबे समय से जलभराव एवं निकासी की समस्या को लेकर स्थानीय पार्षद एवं नागरिकों द्वारा शिकायत की गई थी, जिस पर महापौर अलका बाघमार ने तत्काल गंभीरता दिखाते हुए स्थल निरीक्षण किया था। इस दौरान शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद रामचंद्र सेन सहित कालोनीवासियों मौजूद रहें। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों ने बरसात के दिनों में होने वाली भारी जलभराव की समस्या से अवगत कराया था। समस्या की गंभीरता को देखते हुए महापौर ने अधिकारियों को तत्काल नाली निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए थे। महापौर के सतत प्रयासों एवं पहल का परिणाम रहा कि वार्ड क्रमांक 38 महापौर कॉलोनी क्षेत्र में नाली निर्माण कार्य के लिए राज्य शासन द्वारा लगभग 72 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर दी गई है। बताया गया कि नाली निर्माण कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। नाली निर्माण होने से महावीर कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्र में जलभराव की समस्या से नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। क्षेत्रवासियों में इस स्वीकृति को लेकर काफी उत्साह एवं खुशी का माहौल है। इसी खुशी को व्यक्त करने के लिए वार्ड पार्षद रामचंद्र सेन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी महापौर कक्ष पहुंचे और महापौर अलका बाघमार से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान के लिए महापौर ने गंभीर पहल की, जिससे अब क्षेत्र को स्थायी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

साइकिल से निरीक्षण पर निकले निगम आयुक्त, खेल मैदानों और उद्यानों का लिया जायजा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने पार्षद विनोद सिंह के साथ जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का साइकिल से प्रातः निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आई. टी.आई. ग्राउण्ड, श्रीराम वाटिका एवं खुर्सीपार खेल मैदान का जायजा लेकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने आईटीआई ग्राउंड में हो रहे सौंदर्यकरण एवं विकास कार्य का बारीकी से अवलोकन किया, जल भराव ना हो को दृष्टिगत करते हुए कार्य करने कहा गया है। खेल मैदान में व्यक्तिगत कार्यक्रम कराये जाने पर सफाई शुल्क सहित किराया लेने कहा गया है जिस मैदान का रखरखाव एवं व्यवस्था बेहतर हो सके। उद्यानों की साफ -सफाई, रखरखाव और नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश दिये, ताकि नागरिकों को बेहतर वातावरण और सुविधाएं मिल सकें।

आयुक्त ने अधिकारियों को भी साईकिल से प्रातः भ्रमण करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का बेहतर आकलन किया जा सकता है तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। लोगों से अनुरोध किए हैं की प्रति दिवस साइकिल का उपयोग करें जिससे ट्रैफिक नियंत्रण, पर्यावरण सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य और आर्थिक बचत भी होगा । निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, उप अभियंता चंद्रकांत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, अतुल यादव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पाटन जनपद उपचुनावः भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों ने भरा नामांकन, मुकाबला हुआ रोचक

पाटन-अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत क्षेत्र क्रमांक 04 के जनपद सदस्य उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों ने अपना नाम निर्देशन पत्र संबंधित अधिकारियों के समक्ष जमा कर दिया है। भाजपा समर्थित प्रत्याशी सुरेंद्र साहू ने रिटर्निंग ऑफिसर पवन सिंह ठाकुर के समक्ष अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी उर्वशी साहू ने जनपद पंचायत सीईओ जगेंद्र साहू के पास अपना नाम निर्देशन पत्र जमा किया। नामांकन दाखिले के दौरान दोनों प्रत्याशियों के समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद रहे और अपने-अपने उम्मीदवारों के समर्थन में उत्साह दिखाई दिया। उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने की चर्चा क्षेत्र में जोर पकड़ रही है। दोनों दल अपने प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इस उपचुनाव की खास बात यह है कि अब तक ग्राम पाहंदा से तीन साहू समाज के प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है, जबकि सांकरा से सतनामी समाज के एक प्रत्याशी ने भी मैदान में उतरते हुए नामांकन जमा किया है। जैसे-जैसे उपचुनाव की तारीख नजदीक आएगी, क्षेत्र में चुनावी माहौल और अधिक गर्माने की संभावना है। फिलहाल इच्छुक प्रत्याशियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया जारी है। 18 मई के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि चुनावी मैदान में कुल कितने प्रत्याशी रहेंगे। अभी तक भाजपा, कांग्रेस और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है।

टी.बी. मुक्त भारत अभियान को गति : हमर अस्पताल पोटिया चौक में महापौर अलका बाघमार ने किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर महापौर गंभीर, डॉक्टरों और स्टाफ से की चर्चा

दुर्ग। टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी लीना दिनेश देवांगन, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, शशि साहू,हर्षिका संभव जैन,रंजिता पाटिल, निखिल शर्मा सहित आदि के साथ वार्ड क्रमांक 54 स्थित हमर अस्पताल पोटिया चौक पहुंचकर संभावित टी.बी. मरीजों के लिए संचालित निःशुल्क एक्सरे एवं उपचार व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, मरीजों को दिए जा रहे उपचार, जांच व्यवस्था तथा टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम की जानकारी डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों से ली। उन्होंने अस्पताल परिसर का भ्रमण कर मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने अस्पताल परिषद एवं स्टाफ से मुलाकात कर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मौजूद चिकित्सकों से संभावित टी.बी. मरीजों की पहचान, निःशुल्क एक्सरे, समय पर जांच एवं उपचार प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि टी.बी. जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए शासन द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। समय पर जांच और उपचार से टी.बी. को पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग मिलकर आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रत्येक संभावित मरीज तक जांच एवं

महापौर अलका बाघमार ने ली वार्ड विकास कार्यों की समीक्षा, पेयजल व्यवस्था सुधार पर विशेष जोर

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 31 से 40 तक के पार्षदों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्डवार विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं तथा जनसमस्याओं को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में सड़क निर्माण, पाइप लाइन विस्तार, पाइप लाइन लीकेज, नाली एवं पुलिया निर्माण/मरम्मत, विद्युत व्यवस्था, सुलभ शौचालयों की मरम्मत सहित विभिन्न जनसमस्याओं पर एक-एक कर समीक्षा की गई। पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं को महापौर और आयुक्त के समक्ष रखते हुए त्वरित निराकरण की मांग की। महापौर अलका बाघमार ने बैठक में कहा कि नगर निगम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से उपलब्ध कराना है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि अपने-अपने वार्डों में बेवजह बह रहे सार्वजनिक नल कनेक्शनों का सर्वे कराया जाए तथा अनुपयोगी सार्वजनिक नलों को बंद कराने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग सभी घरों में व्यक्तिगत नल कनेक्शन उपलब्ध हैं, ऐसे में सार्वजनिक नलों से पानी की अनावश्यक बर्बादी रोकना आवश्यक है।

अखंड सुहाग की कामना : ज्येष्ठ अमावस्या के अवसर पर महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर वट वृक्ष की पूजा की। कच्चे सूत के धागे से पेड़ की परिक्रमा कर महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और पति की लंबी उम्र की प्रार्थना की दुर्ग के शिक्षक नगर की तस्वीर. फोटो:नाहीद शेख

एस.आर हॉस्पिटल के पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स के छात्र-छात्राओं को दुर्ग पुलिस कप्तान ने दिए प्रमाणपत्र

दुर्ग पुलिस ने छात्रों को साइबर सुरक्षा और नए बी.एन.एस. कानून के नियम की जानकारी दी

दुर्ग। चिखली (दुर्ग) स्थित प्रतिष्ठित चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान एस.आर. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को मार्कशीट वितरण और कानूनी जागरूकता कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों में एसपी विजय अग्रवाल ,डॉक्टर संकल्प रॉय(सायबर सेल) ने शिरकत की।

मेधावी छात्रों को मिली मार्कशीट

संस्थान में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विभिन्न पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों जैसे- ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन , एक्स-रे टेक्नीशियन और पैथोलॉजी लैब टैक्नीशियन के 79 छात्र छात्राओं का रिजल्ट पास रहा है । जिसमे पैथोलॉजी के 20 छात्र-छात्राएं ,एक्स-रे टेक्नीशियन में 30 एवं ऑपरेशन थिएटर टेक्नीशियन में 30 छात्र छात्राओं ने परीक्षा दी थी। जिसमे पैथोलॉजी में प्रथम ईशा राठौड़,द्वितीय नीलम झांडगे ,तृतीय ओमेश्वरी साहू इसी तरह ओ.टी. तकनीशियन में प्रथम गोवर्धन पटेल, द्वितीय डॉली जंघेल, तृतीय , देवनारायण एवं एक्स - रे तकनीशियन प्रथम -भूपेश चंद्राकर,, द्वितीय पूरनलाल, तृतीय देवेन्द्र कुमार को प्रमाणपत्र दिया गया. अपनी डिग्री और अंकसूची पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। संस्थान के चेयरमैन संजय तिवारी ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

साइबर क्राइम और नए कानून पर विशेष सत्र

मार्कशीट वितरण के साथ ही इस कार्यक्रम में छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। दुर्ग पुलिस की टीम ने कॉलेज के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों को साइबर क्राइम ([illegible]) के बढ़ते खतरों, ऑनलाइन फ्रॉड से बचने के तरीकों और सोशल मीडिया सुरक्षा के बारे में विस्तार से समझाया।

इसके साथ ही, पुलिस अधिकारियों ने देश में लागू हुए नए बी.एन.एस. (भारतीय न्याय संहिता) कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उपस्थित जनों को बताया गया कि नए कानूनी बदलावों के तहत नागरिकों के क्या अधिकार और कर्तव्य है। संस्थान के प्रबंधन ने इस सत्र को छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास की दृष्टि से अत्यंत हितकारी और ज्ञानवर्धक बताया।

इस अवसर पर डॉ के के जैन जनरल मेडिसीन ,डॉ वाई के शर्मा जनरल सर्जन ,डॉ विश्वामित्र दयाल बर्न एन्ड प्लास्टिक सर्जन,डॉ विनीता धुर्वे ग्यानकोलॉजिस्ट, डॉ दिनेश क्षत्रिय ,डॉ पूजा ग्यानकोलॉजिस्ट, विजय गवांडे,संजय गुप्ता प्रोफेसर,विष्णु पाठक समाजसेवी,डॉ कमल किशोर शर्मा पत्रकार,सुनील चौहान पत्रकार,जय प्रकाश आर्य,प्रशांत शुक्ला पुलिस विभाग,अजय तिवारी डायरेक्टर,जे एन पांडेय,अरविन्द खैरवार,विनीता आँचल,नेहा ठाकुर, सीमा शर्मा, राजेश त्रिपाठी,रेखा पारकर, जाकिर हुसैन, आशीष गोस्वामी, रेशमा साहू ,कुसुम यादव एवं कॉलेज के छात्र छात्राओं सहित अधिकारी ,कर्मचारी मौजूद थे।

प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने सायबर क्राइम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि,मोबाइल का सावधानीपूर्वक इस्तमाल करें इसके अलावा हेलमेट के उपयोग के संदर्भ में विशेष जोर देते हुए कहा कि,बाइक चलाते समय हेलमेट का उपयोग करें और कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाएं क्योंकि ये आपको सुरक्षित रखता है.इसके अलावा नशाखोरी पर चिंता जताते हुए ड्रग्स से दूर रहने की अपील की।

विजय अग्रवाल
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

साइबर सेल डॉ. संकल्प राय ने साइबर अपराधों से बचने के आवश्यक टिप दिए.उन्होंने साइबर अपराधों के बारें में उपस्थित छात्र छात्राओं सहित मौजूद स्टाफ और डॉक्टरों को बारीकी से समझाया कि,किस तरह से मोबाईल के जरिये आम लोग लालच में फंसकर फ्रॉड का शिकार होते है.डॉ. संकल्प राय ने साइबर अपराधों से बचने के लिए पुलिस विभाग के एप्स डाउनलोड करने के लिए बताया और मोबाईल की अन्य सेटिंग्स की जानकारी दी.इसके अलावा उन्होंने साइबर सेल द्वारा जारी नंबर 1930 की जानकारी भी दी.

डॉ. संकल्प राय
साइबर सेल प्रभारी

इस आर हॉस्पिटल एन्ड कॉलेज के डायरेक्टर संजय तिवारी ने कॉलेज की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराया, उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 13 कॉलेजों में पैरामेडिकल कोर्स संचालित हैं, जिसमें गौरव की बात है कि, दुर्ग जिले का एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज भी इसमें प्रमुख रूप से शामिल है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य शिक्षा के साथ कुशल मानव संसाधन तैयार करना है।

संजय तिवारी
डायरेक्टर एस आर हॉस्पिटल

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com